

असली आजादी

दमण से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

Asli Azadi Dainik
@AsliAzadiDainik

aslizadidainikofficial

■ वर्ष: 22, अंक: 25 ■ दमण, बुधवार 14, अक्टूबर, 2026 ■ पृष्ठ: 8 ■ मूल्य: 2 रु ■ RNI NO-DDHIN/2005/16215 ■ संपादक- विजय जगदीशचंद्र भट्ट

2029 के आम चुनाव में एनडीए प्रचंड बहुमत के साथ सत्ता में लौटेगा और कांग्रेस की लगातार चौथी बार हार होगी: श्री अमित शाह

■ गुजरात के स्थानीय निकाय चुनाव और देश में हुए उपचुनाव के नतीजों से स्पष्ट है कि जनता आज भी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के साथ चट्टान की तरह खड़ी है: श्री अमित शाह ■ राहुल जी, मैं आपको और आपके साथियों को बता देना चाहता हूँ कि 2029 में प्रचंड हार के लिए फिर से मन बना लीजिए: श्री अमित शाह ■ राहुल गांधी जी, क्या यह एसआईआर का परिणाम है? एसआईआर तो 2024 के बाद शुरू हुआ, आप जब से कांग्रेस के मुख्य नेता, फिर अध्यक्ष और अब नेता प्रतिपक्ष बने हैं, कांग्रेस पार्टी लगातार चुनाव हार रही है: श्री अमित शाह ■ एसआईआर के बहाने घुसपैठियों को बचाने की राहुल गांधी की कार्ययोजना को देश की जनता भलीभाँति समझ चुकी है: श्री अमित शाह ■ फैब्रिकेटेड मीडिया इवेंट्स से जनसमर्थन नहीं मिलता राहुल गांधी जी, झूठ का सहारा लेकर आप देश की जनता का विश्वास हासिल नहीं कर सकते: श्री अमित शाह ■ भारत की जनता प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी, भाजपा और एनडीए के साथ है, इस सत्य को आप झुठला नहीं सकते: श्री अमित शाह ■ कांग्रेस गुजरात में 41 साल एक भी चुनाव जीत नहीं पाई है। त्रिपुरा में 33 साल से कांग्रेस का मुख्यमंत्री नहीं बन पाया है और बंगाल में 54 साल से कांग्रेस को कोई जीत हासिल नहीं हुई है: श्री अमित शाह ■ कुछ हज़ार की प्रायोजित भीड़ जुटाकर देश की आवाज़ नहीं बना जा सकता, देश की असली आवाज़ खेत-खलिहानों और सुदूर गाँवों में बसती है: श्री अमित शाह

नई दिल्ली, 13 अक्टूबर। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री और भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता श्री अमित शाह ने आज नई दिल्ली में मीडिया को संबोधित किया और गुजरात के तीन स्थानीय निकाय चुनावों एवं देश में हुए उपचुनावों में भारतीय जनता पार्टी की शानदार विजय को रेखांकित करते हुए राहुल गाँधी एवं इंडी गठबंधन पर करारा हमला बोला। श्री शाह ने कहा कि आज गुजरात में दो म्युनिसिपैलिटी और एक म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन में कुल 104 सीटों में से 90 सीटों पर भारतीय जनता पार्टी ने प्रचंड विजय प्राप्त की है। गांधीनगर म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन, जो कि मेरे संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत आता है, उसमें भारतीय जनता पार्टी ने 44 में से 38 सीटों पर विजय प्राप्त की। आम आसमी पार्टी ने 32 की 32 सीटें लड़ीं और सभी 32 सीटों पर उसकी जमानत जक्त हो गई। गुजरात में भाजपा को यह जो प्रचंड विजय मिली

है, वह गुजरात के मतदाताओं के मूड को रेखांकित करती है और यह भी स्पष्ट करती है कि गुजरात का मतदाता आज भी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के साथ चट्टान की तरह खड़ा है। गांधीनगर म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन में भारतीय जनता पार्टी ने पिछले चुनाव की तुलना में 10% वोट की बढ़ोतरी की है। मैं यह बात राहुल गांधी तक पहुँचाना चाहता हूँ कि 41 साल के बाद आज भी एक भी चुनाव कांग्रेस गुजरात में नहीं जीत पाई है। अंतिम चुनाव वे 41 साल पहले 1985 में जीते थे, उसके बाद से लगातार गुजरात में उनकी हार हो रही है। मैं राहुल जी से यह भी पूछना चाहता हूँ कि क्या यह रकम का परिणाम है? भारतीय जनता पार्टी और मोदी जी की लोकप्रियता को आप रकम का परिणाम कहकर झुठलाते हैं, आपको आत्मनिरीक्षण करना चाहिए। एक बहुत बड़े सूबे में, जहाँ हमेशा आपका शासन रहता था, वहाँ 41 साल से आप

एक भी चुनाव नहीं जीत पाए हैं। यह इनके लिए आत्मनिरीक्षण का बहुत बड़ा विषय है। श्री शाह ने कहा कि अभी-अभी देश भर में तीन राज्यों पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और पुडुचेरी में उपचुनाव हुए। मैं आज देश की जनता को यह भी बताना चाहता हूँ कि पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और पुडुचेरी के चुनाव में कांग्रेस को एक भी सीट प्राप्त नहीं हुई है। नौगाँव में भारतीय जनता पार्टी का प्रत्याशी 1,42,000 वोटों से जीता। ये सीट कांग्रेस पार्टी के पास थी, वह भारतीय जनता पार्टी ने उनसे छीन ली है। नंदीग्राम में भाजपा का प्रत्याशी 76% वोटों के साथ 1,22,000 वोटों की भारी लीड से जीता है। पश्चिम बंगाल के रेजीगंज में भाजपा 75,000 से अधिक वोटों से जीती है; हमने तुपामूल से यह सीट छीनी है। पुडुचेरी में एनडीए के सहयोगी अक्कपुठ के प्रत्याशी 8,482 वोटों से जीते हैं, जबकि कांग्रेस को सिर्फ 22% वोट



मिले हैं। राजस्थान में भी स्थानीय निकाय के चुनावों में भारतीय जनता पार्टी की प्रचंड विजय हुई है। 90% नगर निगमों पर भारतीय जनता पार्टी ने कब्ज़ा किया है, नगर परिषदों में 66% और नगर पालिकाओं में 65% पर भाजपा ने प्रचंड जीत हासिल की है। यह चुनाव राहुल गांधी के लिए एक सबक है। राजस्थान में आम आदमी पार्टी ने 85% से अधिक वोटों में अपनी जमानत जक्त करवाई है। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा, मैं राहुल गांधी जी को यह भी बताना चाहता हूँ कि त्रिपुरा में विलेज कमिटी (ग्राम समिति) के जो चुनाव हुए, उसमें एनडीए ने कुल 4,600 सीटों में से लगभग 4,000 से अधिक सीटों पर जीत दर्ज की है, जिसमें 77.5% वोट शेयर रहा। वहीं 4,600 सीटों में से कांग्रेस पार्टी को सिर्फ 14 सीटें

मिली हैं। जो लोग ईवीएम पर सवाल उठाते हैं और बैलेट पेपर का हवाला देते हैं, उन्हें मैं बताना चाहता हूँ कि ये चुनाव बैलेट पेपर से हुए थे। इससे यह तर्क भी सिर से खारिज हो जाता है कि बैलेट मशीन ही भाजपा को चुनाव जिताती है। त्रिपुरा में 33 साल से कांग्रेस पार्टी का मुख्यमंत्री नहीं बन पाया है और बंगाल में 54 साल से कांग्रेस को कोई जीत हासिल नहीं हुई है। बंगाल, त्रिपुरा और गुजरात में कांग्रेस पार्टी पिछले तीन, चार और पाँच दशकों से लगातार हार रही है। मैं श्री राहुल गांधी जी से सीधा पूछना चाहता हूँ - क्या यह रकम का परिणाम है? रकम तो 2024 के बाद शुरू हुआ। आप जब से कांग्रेस के मुख्य नेता, फिर अध्यक्ष और अब नेता प्रतिपक्ष बने हैं, कांग्रेस पार्टी लगातार चुनाव हार रही है। आपको आत्मचिंतन करने की जरूरत है। फैब्रिकेटेड मीडिया इवेंट्स और झूठ का सहारा लेकर आप देश की जनता का विश्वास

हासिल नहीं कर सकते। 14 पार्टियों का केडर इकट्ठा करके डेढ़ किलोमीटर के दायरे में 8,000 की भीड़ जुटा लेने से आप देश की आवाज़ नहीं बन सकते। कांग्रेस पर करारा हमला करते हुए श्री शाह ने कहा कि मेरा कांग्रेस पार्टी से निवेदन है कि देश की आवाज़ खेत-खलिहानों में, गाँवों में, दूर-सुदूर पहाड़ियों, जंगलों और नदियों के किनारे बसती है, वहाँ आपकी कोई पहुँच नहीं है। बिहार, उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु जैसे कई राज्यों में दशकों से जनता ने कांग्रेस को नकारा और हराया है। आज भी कांग्रेस पार्टी जिस प्रकार की नकारात्मक राजनीति कर रही है, वह उसे कोई लाभ नहीं पहुँचाएगी। उन्हें जनता के बीच जाना चाहिए और जनता से संपर्क साधना चाहिए। रकम के बहाने घुसपैठियों को बचाने की राहुल गांधी जी की जो कार्ययोजना है, उसे देश की जनता भली-भाँति समझ चुकी है और अब वह इनके झाँसे में आने

वाली नहीं है। श्री राहुल जी और उनके साथियों को मैं यह भी बताना चाहता हूँ कि 2029 में प्रचंड हार के लिए फिर से मन बना लीजिए। 2029 के आम चुनाव में एनडीए प्रचंड बहुमत के साथ सत्ता में लौटेगा और कांग्रेस की लगातार चौथी बार हार होगी। इस देश की जनता प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी, भाजपा और एनडीए के साथ है, इस सत्य को आप झुठला नहीं सकते। श्री शाह ने कहा कि आज मैं एक बार फिर त्रिपुरा, राजस्थान, गुजरात, बंगाल और असम की जनता का भारतीय जनता पार्टी की ओर से हृदय से धन्यवाद करता हूँ कि सारे दुष्प्रचार की आँधी के बीच उन्होंने श्री नरेन्द्र मोदी जी पर, एनडीए पर और भाजपा के कमल निशान पर अपने विश्वास की मुहर लगाई है और सभी राष्ट्रवादी ताकतों का हाँसला बढ़ाया है। मैं भारतीय जनता पार्टी की ओर से उनका मनपूर्वक धन्यवाद करता हूँ।

दीव में एनआईएसडी का पांच दिवसीय वृद्धावस्था देखभाल प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न



असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव 13 अक्टूबर। वरिष्ठ नागरिकों के प्रति सम्मान, संवेदना और देखभाल की भावना को साकार करने के उद्देश्य से भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के अंतर्गत राष्ट्रीय सामाजिक रक्षा संस्थान तथा संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव के प्रशासक प्रफुल पटेल के मार्गदर्शन में दीव समाहर्ता राहुल देव बुरा की पहल से जिला प्रशासन, दीव द्वारा संयुक्त रूप से के संयुक्त तत्वावधान में केवड़ी स्थित एजुकेशन हब में वरिष्ठ नागरिकों की देखभाल के लिए पाँच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का 09 से 13 अक्टूबर 2026 तक सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। जिसमें दीव की 50 महिलाओं को प्रशिक्षित किया गया ताकि वे पूर्ण प्रशिक्षित तरीके से संवेदनापूर्वक वृद्धजनों की सेवा एवं देखभाल कर सकें। यह प्रशिक्षण पहले तीन दिनों तक एजुकेशन हब में और उसके बाद

दो दिनों तक सरकारी अस्पताल में दिया गया। इस पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में वृद्धजनों में मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याएँ, मल-मूत्र त्याग में सहायता: डायपर बदलना, बेडपैन देना एवं हटाना, मूत्रपात्र तथा मूत्र निकासी थैली की देखभाल, जरा-चिकित्सा देखभाल में संतुलित पोषण का महत्व, ठंडी एवं गर्म सिकाई, वरिष्ठ नागरिकों के साथ संवाद करने के कौशल, संक्रमण की रोकथाम एवं नियंत्रण, वरिष्ठ नागरिकों के लिए विभिन्न उपचार पद्धतियों का महत्व, औषधि देना तथा आँख, कान एवं नाक में औषधीय वूँदें डालना, शरीर की विभिन्न प्रणालियों, उनके कार्यों तथा आयु संबंधी स्वास्थ्य समस्याओं को समझना, स्पंज स्नान, पीठ एवं बालों की देखभाल, पैरों की देखभाल तथा नाखून काटना, वृद्ध रोगियों को भोजन कराने की विभिन्न विधियाँ, ऑक्सीजन देना, सक्शन प्रक्रिया, नेब्युलाइजेशन तथा भाप द्वारा उपचार, जरा-चिकित्सा देखभाल

में जीवन-सूचक संकेतों एवं रक्त शर्करा की निगरानी, बिस्तर लगाना, मुख की देखभाल एवं कृत्रिम दाँतों की देखभाल, वृद्धजनों में मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याएँ तथा अभिलेखों का संधारण, विवरण दर्ज करना एवं प्रतिवेदन प्रस्तुत करना आदि के बारे में प्रशिक्षण प्रदान किया गया। उल्लेखनीय है कि 13/10/2026 को इसके समापन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें दीव के समाहर्ता राहुल देव बुरा मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित रहे। इस अवसर पर उनके साथ दीव नगरपालिका परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी धर्मेश दमणिया, पाठ्यक्रम समन्वयक आशा शर्मा, कनिष्ठ परामर्शदाता रिंतु दनदियाल एवं एडवोकेट हेमलता बारिया उपस्थित रहे। इस अवसर पर अपने उद्बोधन में समाहर्ता राहुल देव बुरा ने प्रशिक्षु महिलाओं को कहा कि यह सराहनीय है कि आप लोगों ने इतनी उत्साह ऊर्जा प्रेरणा के साथ

प्रशिक्षण किया और अब प्रशिक्षण प्राप्त करने के उपरांत आप वृद्धजनों की बेहतर एवं कुशल तरीके से सेवा कर सकते हैं और इसके माध्यम से रोजगार भी हासिल कर सकते हैं। यह पाँच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम वरिष्ठ नागरिकों की देखभाल के क्षेत्र में स्थानीय क्षमता निर्माण, कुशल देखभालकर्ताओं की उपलब्धता तथा रोजगार के अवसरों को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा और इससे दीव में वरिष्ठ नागरिकों को बेहतर देखभाल सेवाएँ उपलब्ध कराने तथा उनके जीवन को अधिक सुरक्षित, सुविधाजनक और सम्मानजनक बनाने में सहायता मिलने की अपेक्षा है क्योंकि वरिष्ठ नागरिकों की देखभाल केवल परिवार का दायित्व नहीं, बल्कि पूरे समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। तदुपरांत समाहर्ता राहुल देव बुरा तथा अन्य उपस्थित महानुभावों द्वारा प्रशिक्षित महिलाओं को प्रमाण-पत्र वितरण किए गए।

दमण-दीव के पूर्व सांसद लालू पटेल ने डीडीए के नवरात्रि महोत्सव में पहुंचकर खेलैयाओं का बढ़ाया हौसला



असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 13 अक्टूबर। दमण की सबसे पॉश सोसायटी दिलीपनगर डेवलपमेंट एसोसिएशन द्वारा भव्य नवरात्रि महोत्सव के साथ गरबा का आयोजन किया गया है। प्रतिदिन बड़ी संख्या में खेलैया पारंपरिक रास-गरबा की पेशाक में गरबा खेलने पहुंच रहे हैं। वहीं महानुभावों के पहुंचने का सिलसिला भी जारी है। नवरात्रि के दूसरे दिन दमण-दीव के पूर्व सांसद लालू पटेल ने डीडीए के नवरात्रि महोत्सव में पहुंचकर खेलैयाओं का हौसला बढ़ाया। साथ ही बेहतरीन नवरात्रि महोत्सव के आयोजन के लिए डीडीए की पूरी टीम की सराहना की। इस अवसर पर डीडीए की ओर से पूर्व सांसद लालू पटेल का स्वागत भी किया गया। नवरात्रि महोत्सव को सफल बनाने में डीडीए और डीएमएम की टीम पूरी मेहनत के साथ जुड़ी है।



सौजन्य: फोटो पॉइंट स्टूडियो

बीजेपी नेता मरांडी का आरोप... कांग्रेस और काँकरोच एक ही हैं, दोनों अंधेरे में पनपते

रांची (एजेंसी)। जमशेदपुर के बिष्टुपुर स्थित कांग्रेस कार्यालय के बाहर भाजपा और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच हुई हिंसक झड़प के 24 घंटे बाद झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने कांग्रेस पर तीखा हमला है। भाजपा कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में मरांडी ने कहा कि कांग्रेस और काँकरोच एक ही हैं, दोनों अंधेरे में पनपते हैं और देश के लोकतांत्रिक ताने-बाने को नुकसान पहुंचाते हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा के शांतिपूर्ण विरोध पर पथराव करना कांग्रेस की बढ़ती तादाशा को दिखाता है। बीजेपी नेता मरांडी ने आरोप लगाया कि पवित्र नवरात्र के मौके पर जब पूरा देश भक्ति में लीन है, तब कांग्रेस और इंडी गठबंधन के दल सड़कों पर उपद्रव मचाकर सांस्कृतिक आस्था पर आघात कर रहे हैं। जमशेदपुर की घटना का जिक्र उन्होंने स्पष्ट किया कि भाजपा कार्यकर्ता केवल कांग्रेस की जनविरोधी नीतियों का लोकतांत्रिक विरोध कर रहे थे, जिसके जवाब में कांग्रेस पर संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर करने की साजिश रचने का भी गंभीर आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि साता से बाहर होने के बाद से कांग्रेस सुप्रीम कोर्ट जैसी निष्पक्ष संस्थाओं पर दबाव बनाने और समाज को बांटने के लिए नकारात्मक माहौल तैयार कर रही है। दूसरी ओर, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने अनुच्छेद 370 हटाने और माओवाद को समाप्त करने जैसी ऐतिहासिक सफलताएं हासिल की हैं। मरांडी ने भाजपा कार्यकर्ताओं से धैर्य बनाए रखकर विपक्ष के अराजक रवैये को जनता के सामने बेनकाब करने का आह्वान किया।

वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल सिंह ने तेजस में भरी अपनी अंतिम लड़ाकू उड़ान, 31 अक्टूबर को हो रहे सेवानिवृत्त

जोधपुर (एजेंसी)। भारतीय वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने जोधपुर वायुसेना स्टेशन पर स्वदेशी हल्के लड़ाकू विमान तेजस में अपनी अंतिम लड़ाकू उड़ान भरी। आगामी 31 अक्टूबर को सेवानिवृत्त होने जा रहे वायुसेना प्रमुख की उड़ान को भारतीय वायुसेना ने उनके अनुरकणीय नेतृत्व, अदम्य साहस और शैशवं प्रतिबद्धता का सर्वोच्च प्रतीक बताया है। वायुसेना ने इस ऐतिहासिक उड़ान का वीडियो और तस्वीरें साझा कीं, जिसमें एयर चीफ मार्शल भिन्न देशों के विमानों और सूर्यकिरण एरोबेटिक टीम के साथ आसमान की ऊंचाइयों को छूते नजर आ रहे हैं। भारत में ही विकसित तेजस विमान में नौसेना व वायुसेना की शक्ति और आत्मनिर्भरता का संदेश निहित है। वायुसेना प्रमुख की यह उड़ान न केवल एक शीर्ष पायलट के गौरवशाली करियर का प्रतीक है, बल्कि स्वदेशी रक्षा उत्पादन क्षमता के प्रति भारतीय वायुसेना के अटूट विश्वास को भी मजबूती से रेखांकित करती है।

शहीद एएसआई इकबाल सिंह के परिवार को 2 करोड़ की मदद : पंजाब सरकार और एचडीएफसी बैंक ने की घोषणा

तरनतारन (एजेंसी)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने तरनतारन जिले में कर्तव्य के दौरान शहीद हुए पंजाब पुलिस के सहायक उपनिरीक्षक (एएसआई) इकबाल सिंह के परिजनों को एक करोड़ रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है। एएसआई सिंह की अपने घर लौटते समय अज्ञात हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने शहीद जवान की बहादुरी और जब्बे को समन कर कहा कि दुख की इस घड़ी में पंजाब सरकार पीड़ित परिवार के साथ पूरी मजबूती से खड़ी है। इसी क्रम में, पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने जानकारों दी कि सरकार की ओर से दी जाने वाली एक करोड़ रुपये की सहायता के अलावा, एचडीएफसी (एचडीएफसी) बैंक पुलिस कल्याण बीमा कवर के तहत परिवार को एक करोड़ रुपये की अतिरिक्त बीमा राशि प्रदान करेगा। इस प्रकार शहीद के परिजनों को कुल दो करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता मिलेगी। डीजीपी ने स्पष्ट किया कि शहीद इकबाल सिंह को पूरे राजकीय एवं पुलिस सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी जाएगी और उनके कानितों को बख्शा नहीं जाएगा।

एटीएस अफसर बन बुजुर्ग किसान को किया डिजिटल अर्रेस्ट, 1.31 करोड़ कराए ट्रांसफर

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के दक्षिण कन्नड़ जिले में जालसाजी ने मुंबई पुलिस और एटीएस के अधिकारी बनकर एक किसान से 1.31 करोड़ रुपए ठग लिए। पुलिस ने बताया कि आरोपियों ने पहलगाम आतंकवादी हमले के एक आरोपी को धन अंतरित करने का आरोप लगाते हुए किसान को डिजिटल अर्रेस्ट कर लिया था। पुलिस के मुताबिक किसान को 2 सितंबर से 6 अक्टूबर 2026 तक डिजिटल अर्रेस्ट में रखा गया और इस दौरान ठगों ने क्लाउडस्टोरेज वीडियो कॉल के जरिये उसे धमकाया और कई बैंक खातों में रुपए ट्रांसफर करने के लिए मजबूर किया।

पीयूष गोयल की राहुल गांधी को सीधी चुनौती: वोट चोरी के सबूत पेश करें पूरा विपक्ष

- राहुल गांधी आरोप लगाकर भाग जाने वाले नेता

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर वोट चोरी के आरोपों को लेकर करारा हमला बोला है। केंद्रीय मंत्री गोयल ने राहुल गांधी के रुख को पूरी तरह से दोहरा मानदंड और गैर-जिम्मेदाराना करार दिया। उन्होंने राहुल पर शूट एंड स्कूट (आरोप लगाकर भाग जाने) की राजनीति करने का आरोप लगाकर सीधी चुनौती दी कि वे इन गंभीर आरोपों पर केवल विरोध-प्रदर्शन करने के बजाय कानूनी तरीकों से चुनाव आयोग के सामने सबूत पेश करें। केंद्रीय मंत्री गोयल ने सवाल किया कि अगर उनके पास अपने दावों के समर्थन में ठोस प्रमाण हैं, तब उन्होंने अब तक चुनाव आयोग को कोई हलफनामा क्यों नहीं सौंपा है। केंद्रीय मंत्री गोयल ने राहुल गांधी से 10 तीखे सवाल पूछकर कांग्रेस के शासनकाल का ऐतिहासिक ब्यूरा देकर आरोप लगाया कि देश में चुनाव आयोग की साख को सबसे



ज्यादा नुकसान कांग्रेस ने ही पहुंचाया है। उन्होंने याद दिलाया कि यूपीए सरकार के दौरान, पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त नवीन चावला पर पक्षपात के गंभीर आरोप लगने के बावजूद, कांग्रेस ने उन्हें पदोन्नत कर मुख्य चुनाव आयुक्त बनाया था। केंद्रीय मंत्री गोयल ने कहा कि कांग्रेस ने चुनाव आयोग की निष्पक्षता को ताक पर रखकर कई पूर्व चुनाव आयुक्तों को राजनीतिक पुरस्कार बांटे। इसमें से एक को संसद का टिकट दिया गया, एक

केंद्रीय मंत्री बनाना, आयोग की स्वायत्तता पर कांग्रेस द्वारा किए गए प्रहारों का प्रत्यक्ष प्रमाण है। इसके विपरीत, पीयूष गोयल ने दावा किया कि मौजूदा एनडीए सरकार ने चुनाव आयोग को पूर्ण संवैधानिक स्वायत्तता प्रदान की है और उसकी निष्पक्षता में कोई हस्तक्षेप नहीं किया है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और राहुल गांधी पर तीखा प्रहार कर गोयल ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर बेवजह विवाद खड़ा करने का आरोप लगाया। उन्होंने सवाल उठाया कि अगर कांग्रेस इस प्रक्रिया को गलत मानती है, बिहार और बंगाल चुनावों के दौरान इस पर आपत्ति क्यों नहीं जाहिर की। केंद्रीय मंत्री गोयल ने निष्कर्ष निकालकर कहा कि चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्था पर बार-बार निराधार सवाल उठाना भारतीय लोकतंत्र को कमजोर करने की एक सोची-समझी साजिश है, जिसे सफल नहीं होने दिया जाएगा।

शिवसेना (यूबीटी) के प्रवक्ता आनंद दुबे ने दिया इस्तीफा

-पार्टी पर हिंदुत्व और बालासाहेब की विचारधारा से भटकने का आरोप



मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र में उद्भव ठाकरे नीत शिवसेना (यूबीटी) को बड़ा झटका लगा है। पार्टी के प्रमुख उत्तर भारतीय चेहरे और विधायक आदित्य ठाकरे के करीबी राष्ट्रीय प्रवक्ता आनंद दुबे ने अपने पद और पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने अपने इस्तीफे के पीछे पार्टी के अपनी मूल हिंदुत्व विचारधारा से दूर जाने और कांग्रेस के साथ बढ़ती राजनीतिक नजदीकियों को मुख्य वजह बताया है। पार्टी छोड़ने के बाद आनंद दुबे ने कहा कि स्वर्गीय बालासाहेब ठाकरे की शिवसेना का गठन कट्टर हिंदुत्व, मराठी अस्मिता और मजबूत राष्ट्रवाद के आधार पर हुआ था। हालांकि, मौजूदा समय में शिवसेना (यूबीटी) की राजनीतिक दिशा और उनकी व्यक्तिगत वैचारिक प्रतिबद्धताओं के बीच गहरा मतभेद पैदा हो गया है, जिससे पार्टी का पक्ष रखना असंभव हो गया था।

मोदी पर टिप्पणी मामले में राहुल को राहत, सुप्रीम कोर्ट ने ट्रायल पर लगाई रोक

-बॉम्बे हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर नोटिस जारी, चार सप्ताह में मांगा जवाब

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ कथित आपत्तिजनक टिप्पणी से जुड़े अपराधिक मानहानि मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी को सुप्रीम कोर्ट ने राहत प्रदान की है। शीर्ष अदालत ने मामले में निचली अदालत में चल रहे ट्रायल पर रोक लगा दी है। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस अपारेश कुमार सिंह की पीठ ने बॉम्बे हाईकोर्ट के उस आदेश को चुनौती देने वाली राहुल गांधी की याचिका पर नोटिस जारी किया, जिसमें मानहानि की शिकायत को रद्द करने से इनकार कर दिया गया था। अदालत ने संबंधित पक्षों से चार सप्ताह के भीतर जवाब मांगा है।

यह मामला राहुल गांधी की उन कथित टिप्पणियों से जुड़ा है, जिनमें उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के लिए कथित तौर पर 'चोरों का सरदार' और 'कमांड-इन-थीफ' जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया था। शिकायतकर्ता का आरोप है कि इन टिप्पणियों से प्रधानमंत्री के साथ-साथ भारतीय जनता पार्टी और उसके सदस्यों की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा। मामले की



शुरुआत बीजेपी कार्यकर्ता महेश श्रीश्रीमाल की शिकायत से हुई थी। उन्होंने मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट की अदालत में राहुल गांधी के खिलाफ आपराधिक मानहानि की शिकायत दर्ज कराई थी। मजिस्ट्रेट ने शिकायत पर सुनवाई करते हुए राहुल गांधी को समन जारी किया था। राहुल गांधी ने समन को चुनौती देते हुए दलील दी थी कि शिकायत सुनवाई योग्य नहीं है। उनका कहना था कि उन्होंने अपनी 'चोरों का सरदार' और 'कमांड-इन-थीफ' योग्य वर्ग का नाम नहीं लिया था। ऐसे में किसी स्पष्ट पीड़ित व्यक्ति या समूह के अभाव में शिकायतकर्ता को मुकदमा चलाने का अधिकार नहीं बनता। हाईकोर्ट ने हस्तक्षेप से किया था इनकार

बॉम्बे हाईकोर्ट ने राहुल गांधी की याचिका खारिज करते हुए कहा था कि शिकायतकर्ता दो दशकों से बीजेपी का सक्रिय सदस्य होने का दावा करता है। विवादित टिप्पणी और शिकायत के तथ्यों को देखते हुए शुरुआती चरण में यह नहीं कहा जा सकता कि बयान केवल पार्टी के वरिष्ठ नेतृत्व तक सीमित था। टिप्पणी का वास्तविक आशय और पार्टी के सदस्यों पर उसका प्रभाव ट्रायल के दौरान तय किया जा सकता है। हाईकोर्ट ने मजिस्ट्रेट के आदेश में हस्तक्षेप करने का आधार नहीं पाया था। हाईकोर्ट ने अपने फैसले में शशि थरूर से जुड़े एक मामले का भी उल्लेख किया था। उस मामले में दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा था कि पंजीकृत राजनीतिक पार्टी एक पहचान योग्य और निश्चित संस्था हो सकती है। राहुल गांधी ने हाईकोर्ट के आठ सितंबर के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी। शीर्ष अदालत ने अब इस याचिका पर संबंधित पक्षों से जवाब तलब करते हुए ट्रायल के रोक लगा दी है। मामले में आगे की कानूनी प्रक्रिया सुप्रीम कोर्ट में होने वाली सुनवाई और पक्षकारों के जवाब पर निर्भर करेगी।

राहुल और दीपके के प्रदर्शनों से परेशान भाजपा कर रही बड़ी तैयारी

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली की सड़कों पर 6 अक्टूबर से ही प्रदर्शनों का माहौल है, जिनके केंद्र में चुनाव आयोग, मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और एसआईआर प्रक्रिया हैं। इन प्रदर्शनों की अगुवाई अभिजात दीपके की कॉन्करोच जनता पार्टी और कांग्रेस जैसे दल कर रहे हैं। इन सभी की ओर से मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और एसआईआर प्रक्रिया के खिलाफ लगातार हलचल जारी है। खबरें हैं कि इन प्रदर्शनों से निपटने के लिए भाजपा की अगुवाई वाली एनडीए सरकार बड़ी तैयारी कर रही है। सूत्रों के अनुसार, इसे लेकर किसी भाजपा नेता ने पार्टी प्रदर्शकारियों से बात करने की

कोशिश के लिए तैयार है, जिनमें छात्र और युवा भी शामिल हैं। हालांकि, इसे लेकर सरकार ने आधिकारिक रूप से कुछ नहीं कहा है। संभावनाएं बताते हैं कि भाजपा मौजूदा हालात से निपटने के लिए कई तरह की रणनीतियों पर काम कर रही है, हालांकि पार्टी ने औपचारिक रूप से अगले कदम को लेकर कोई घोषणा नहीं की है। भाजपा ने दिल्ली के मौजूदा हालात से राजनीतिक रूप से निपटने की तैयारी की है। इस दौरान उसके निशाने पर कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और आम आदमी पार्टी बताए जा रहे हैं। हालांकि, इसे लेकर किसी भाजपा नेता ने सार्वजनिक रूप से कोई टिप्पणी नहीं

की है। बताया जा रहा है कि भाजपा चुनाव आयोग से जुड़े मामलों की एक फैक्ट शीट प्रदर्शित करने की तैयारी कर रही है। सूत्रों ने इस संबंध में कहा है कि देश का कानून स्पष्ट है और सभी पर समान रूप से लागू होता है। सरकार इसके प्रावधानों को ही लागू कर रही है कि सभी काम तय प्रक्रिया के तहत ही होने चाहिए। इनमें सड़कों पर प्रदर्शन और चुनाव आयुक्त को हटाने जाने का सवाल भी शामिल है, जिसे सिर्फ महाभियोग के जरिए ही किया जा सकता है। पार्टी के एक सूत्र ने यह भी बताया कि एक और जहां चुनाव आयोग ने एसआईआर के मुद्दे पर स्थिति स्पष्ट

करने की कोशिश की है, वहीं सरकार ने नई दिल्ली के संवेदनशील इलाकों से प्रदर्शनकारियों को हटाने में संयम दिखाया है। इस दौरान आपराधिक या कानूनी कार्रवाई जैसे उपाय नहीं किए गए और लोगों के प्रदर्शन के अधिकारों और कानून व्यवस्था में संतुलन बनाए रखने का प्रयास किया गया। सूत्र ने यह भी कहा कि अगर सरकार लोगों के विरोध के अधिकार के खिलाफ होती, तो रामलीला मैदान जैसी जगह प्रदर्शन के लिए नहीं देती, जहां सड़कों पर नाराजगी जाहिर कर रहे एक वर्ग के चलते जनता को परेशानी नहीं होती। बीतगई, बीते सप्ताह से विपक्षी गठबंधन दिल्ली में प्रदर्शन कर रहा है।

पश्चिम बंगाल में पात्र मतदाताओं के पंजीकरण के लिए विशेष अभियान

-जयराम ने सीईसी ज्ञानेश कुमार पर लगाए आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने पश्चिम बंगाल में मतदाता पंजीकरण को लेकर चुनाव आयोग की ओर से जारी प्रेस नोट पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि आयोग की हालिया कार्रवाई विधानसभा चुनावों में कथित अनियमितताओं से जुड़ी है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट कर आयोग पर निशाना साधा। उन्होंने पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय की ओर से 12 अक्टूबर को जारी प्रेस नोट

का उल्लेख किया। इसमें कहा गया है कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर राज्य के सभी 24 जिला निर्वाचन अधिकारियों ने यह सुनिश्चित करने के लिए अभियान शुरू किया है कि कोई भी पात्र मतदाता मतदाता सूची में शामिल होने से न छूटे। चुनाव आयोग के अनुसार राज्य में विशेष शिविर लगाए जा रहे हैं। किसी भी शिकायत के लिए मतदाता बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ), सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (एईआरओ), निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (ईआरओ) या जिला निर्वाचन अधिकारी (डीईओ) से संपर्क कर सकते हैं।

अल नीनो के प्रभाव के बीच दक्षिण भारत में उत्तर-पूर्वी मानसून की दस्तक

बंगाल की खाड़ी में सक्रिय हो रहा नया मौसमी सिस्टम

नई दिल्ली, एजेंसी। देश से दक्षिण-पश्चिम मानसून की विदाई के साथ ही मौसमी चक्र में बदलाव का दौर शुरू हुआ है। बंगाल की खाड़ी में एक नया कम दबाव का क्षेत्र (लो प्रेशर एरिया) विकसित होने और उत्तर-पूर्वी मानसून के आगमन से दक्षिण भारत के विभिन्न हिस्सों में बारिश की गतिविधियां तेजी से बढ़ने की संभावना है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, इस नए मौसमी तंत्र के प्रभाव से तमिलनाडु, पुडुचेरी और दक्षिणी आंध्र प्रदेश के तटीय इलाकों में अच्छी वर्षा हो सकती है। हालांकि, त्योंहारी सीजन के दौरान देश भर में व्यापक और भारी बारिश की अप्रवाहों के खारिज कर आईएमडी ने साफ किया है कि अक्टूबर में औसत वर्षा सामान्य या उससे कम रहने का ही अनुमान है। उत्तर-पूर्वी मानसून, जो कि शीतकालीन मानसून भी कहा जाता है, मुख्य रूप से देश के दक्षिणी प्रायद्वीपीय क्षेत्रों को प्रभावित करता



है। अक्टूबर से दिसंबर के बीच होने वाली वर्षा दक्षिण भारत की कृषि, जलाशय भराव और जलापूर्ति के दृष्टिकोण से बेहद अहम मानी जाती है। दूसरी तरफ, भूमध्यरेखीय प्रशांत महासागर में अल नीनो की स्थिति लगातार मजबूत हो रही है। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक, अल नीनो वैश्विक मौसम प्रणाली को प्रभावित करता

है और आमतौर पर भारत में मानसून की वर्षा को कमजोर करने के लिए जाना जाता है। हालांकि, इसका असर स्थानीय समुद्री और वायुमंडलीय परिस्थितियों पर निर्भर करता है। आईएमडी ने त्योंहारी सीजन में यात्रा करने वालों और सार्वजनिक आयोजनों के आयोजकों को सलाह दी है कि वे धामक जानकारीयों से

बचें और अपने स्थानीय जिला स्तर के मौसम पूर्वानुमानों पर नजर रखें। दशहरे से लेकर दीपावली के बीच अलग-अलग राज्यों में मौसम का मिजाज भिन्न हो सकता है, जहां कुछ तटीय इलाकों में गरज-चमक के साथ बारिश की संभावना है, वहीं देश के अधिकांश अंदरूनी हिस्सों में मौसम शुष्क बना रहने का अनुमान है।

बीजेपी की महिला सांसदों ने राष्ट्रपति मुर्मू से की मुलाकात, कांग्रेस सांसद को बर्खास्त करने की मांग

कांग्रेस और गांधी परिवार का पूरा संरक्षण

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस सांसद अंगोमचा बिमोल अकोइजम पर लगे यौन उत्पीड़न के गंभीर आरोपों को लेकर भारतीय जनता पार्टी की महिला सांसदों के प्रतिनिधिमंडल ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) के पूर्व प्रोफेसर और मणिपुर से सांसद अकोइजम को हाल ही में इन आरोपों के चलते विश्वविद्यालय से बर्खास्त किया गया था। राष्ट्रपति से मुलाकात के दौरान बीजेपी महिला सांसदों ने कांग्रेस सांसद के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने और उन्हें लोकसभा से बर्खास्त करने की मांग की। बीजेपी महिला मोर्चा की अध्यक्ष और सांसद रूप कुमारी चौधरी ने बताया कि आरोपी सांसद को कांग्रेस पार्टी और गांधी परिवार का पूरा संरक्षण हासिल है, इसकारण शिकायत करने वाली छात्राएं डरी हुई हैं। प्रतिनिधिमंडल



ने राष्ट्रपति से पीड़ित छात्राओं को तत्काल सुरक्षा और संरक्षण प्रदान करने की गुहार लगाई। रूप कुमारी चौधरी के अनुसार, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संवेदनशील मामले पर कार्यवाही करने का आश्वासन दिया है। इस प्रतिनिधिमंडल में सांसद डी. पुरंदेश्वरी और दिल्ली की सांसद बांसुरी खराज सहित कई अन्य महिला जनप्रतिनिधि शामिल थीं। उल्लेखनीय है कि इस मुलाकात से एक दिन पहले बीजेपी

महिला मोर्चा ने दिल्ली स्थित कांग्रेस मुख्यालय और हिमाचल प्रदेश में व्यापक विरोध प्रदर्शन किया था। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी के नेतृत्व में हुए प्रदर्शनों में कांग्रेस से अकोइजम को निकासित करने की मांग की गई थी। दिल्ली पुलिस पहले ही मामले में भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज कर जांच कर रही है।



अब संभावनाएं बताते हैं कि मंगलवार को इस पर कुछ समय के लिए विराम लग सकता है। एक नेता ने कहा है कि सुप्रीम कोर्ट तक सफल मार्ग

और याचिका दाखिल करने के बाद मंगलवार को नए मार्च या प्रदर्शन की जरूरत नहीं है।

‘रामायण’ में जटायु की आवाज बनेंगे अनुपम खेर, निर्माताओं ने जारी किया दमदार पोस्टर मुंबई (ईएमएस)। फिल्म ‘रामायण’ को लेकर दर्शकों का उत्साह लगातार बढ़ रहा है। इसी बीच फिल्म के निर्माताओं ने जटायु का नया पोस्टर जारी किया है। दिग्गज अभिनेता अनुपम खेर इस फिल्म में जटायु के किरदार को अपनी आवाज देंगे। पोस्टर में जटायु का भव्य और प्रभावशाली रूप दिखाई दे रहा है। निर्माताओं ने इस पोस्टर को ‘द विंक्स ऑफ धर्मा’ नाम दिया है। पोस्टर में जटायु की तीक्ष्ण नजरों और फैले हुए विशाल पंखों को प्रमुखता से दिखाया गया है। रामायण में जटायु साहस, त्याग और धर्म के प्रति समर्पण के प्रतीक हैं। जब रावण माता सीता का हरण करके ले जा रहा था, तब जटायु ने उसे रोकने के लिए युद्ध किया था। रावण के अधिक शक्तिशाली होने के बावजूद जटायु ने अन्याय के विरुद्ध संघर्ष किया। फिल्म में उनके इसी साहस और कर्तव्यनिष्ठा को प्रमुखता से प्रस्तुत किए जाने की उम्मीद है। निवेश तिवाड़ी के निर्देशन में बन रही इस फिल्म में रणबीर कपूर भगवान राम, साई पल्लवी माता सीता, यश रावण, सनी देओल हनुमान और रवि दुबे लक्ष्मण की भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म का निर्माण नमित मल्होत्रा की प्राइम फोकस स्टूडियोज, डीएनईजी और यश की माॅन्स्टर माईंड क्रिएशंस मिलकर कर रहे हैं। दो भागों में बनने वाली इस फिल्म का पहला भाग 5 नवंबर 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगा। दूसरे भाग को दिवाली 2027 पर रिलीज करने की योजना है।

एनएसईएल ट्रेडर्स सेटलमेंट मामले में सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला, एमएमटीसी की याचिका खारिज नई दिल्ली (ईएमएस)। सुप्रीम कोर्ट ने नेशनल स्पॉट एक्सचेंज लिमिटेड (एनएसईएल) और कारोबारियों के बीच हुए एकमुश्त समझौते को चुनौती देने वाली सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी एमएमटीसी लिमिटेड की अपील खारिज कर दी है। अदालत के इस फैसले से वर्ष 2013 के भुगतान संकट से प्रभावित कारोबारियों के लिए प्रस्तावित समझौता योजना को राहत मिली है। यह योजना बकाया दावों के निपटारे के लिए लाई गई थी। न्यायमूर्ति पी. एस. नरसिम्हा और न्यायमूर्ति आलोक आराधे की पीठ ने एमएमटीसी की अपील पर सुनवाई की। कंपनी ने राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण के उस फैसले को चुनौती दी थी, जिसमें समझौता योजना को मंजूरी देने के निर्णय में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया गया था। राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण, मुंबई ने 28 नवंबर 2025 को इस योजना को मंजूरी दी थी। समझौता योजना के तहत 5,682 कारोबारियों को उनके बकाया दावों के अनुपात में कुल 1,950 करोड़ रुपये देने का प्रस्ताव है। इसके बदले संबंधित कारोबारी समूह के खिलाफ अपने कानूनी दावों को समाप्त करने और अधिकारों को 63 मूल्य टेक्नोलॉजीज को सौंपने पर सहमत होंगे। एनएसईएल में भुगतान संकट अगस्त 2013 में सामने आया था। इस मामले में करीब 5,600 करोड़ रुपये के भुगतान में चूक हुई थी, जिससे हजारों निवेशक और कारोबारी प्रभावित हुए। लंबे समय से जारी इस विवाद के निपटारे के लिए समझौता योजना तैयार की गई थी। सुप्रीम कोर्ट के फैसले से इस योजना को आगे बढ़ाने का रास्ता साफ हुआ है।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में आपातकाल के बाद तनाव बढ़ा, इमरान खान की पार्टी के नेताओं समेत कई लोग हिरासत में

नई दिल्ली (ईएमएस)। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में आपातकाल लागू होने के बाद राजनीतिक तनाव बढ़ गया है। पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के शासन वाले इस प्रांत में केंद्र सरकार ने आपातकाल और राज्यपाल शासन लागू किया है। इसके बाद मुख्यमंत्री सोहेल अफरीदी समेत पार्टी के कई नेताओं और समर्थकों को हिरासत में लिया गया है। सरकार ने इस कदम के पीछे बिगड़ती सुरक्षा व्यवस्था और आतंकवाद से निपटने में प्रांतीय प्रशासन की कथित नाकामी को वजह बताया है। राष्ट्रपति आसिफ अली ख़दर्रावी ने प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की सलाह पर 11 अक्टूबर को आपातकाल की घोषणा को मंजूरी दी। इसके तहत प्रांत के प्रशासनिक अधिकार केंद्र के नियंत्रण में आ गए हैं। पाकिस्तान के कानून मंत्री आजम नजीर त्वार के मुताबिक, राज्यपाल फैसल करीम कुंडी सलाहकार परिषद के साथ प्रशासन संभालेंगे। इस व्यवस्था को शुरुआती तौर पर छह महीने के लिए लागू किया गया है। केंद्र सरकार का आरोप है कि प्रांतीय प्रशासन आतंकवादी गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने में विफल रहा। वहीं, पीटीआई ने इन आरोपों को खारिज करते हुए केंद्र के फैसले को असंवैधानिक और राजनीतिक कदम बताया है। पार्टी ने इसे अदालत में चुनौती देने की बात कही है।

गुजरात के गिफ्ट सिटी में कदम रख सकता है दुनिया का दिग्गज निवेश प्रबंधक ब्लैकरॉक

मुख्यमंत्री ने ब्लैकरॉक के शीर्ष अधिकारियों से की अहम बैठक, वाइब्रेंट गुजरात समिट-2027 में शामिल होने का न्योता

गांधीनगर (ईएमएस)। गुजरात को वैश्विक वित्तीय और प्रौद्योगिकी केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में राज्य सरकार ने एक महत्वपूर्ण पहल की है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने दुनिया की प्रमुख निवेश प्रबंधन कंपनियों में शामिल ब्लैकरॉक के शीर्ष अधिकारियों के साथ गांधीनगर में बैठक की। इस दौरान गिफ्ट सिटी में कंपनी के परिचालन और सेवाओं के विस्तार की संभावनाओं पर चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने ब्लैकरॉक को आगामी वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट-2027 में शामिल होने का आमंत्रण भी दिया। यह बैठक मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल की हालिया अमेरिका यात्रा के दौरान हुई वन-टू-वन बैठक की अगली कड़ी मानी जा रही है। वाइब्रेंट समिट-2027 के प्रचार के लिए अमेरिका पहुंचे उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल के साथ मुख्यमंत्री ने ब्लैकरॉक की ग्लोबल हेड ऑफ माकैन्ट डेवलपमेंट समारा कोहेन से मुलाकात की थी। उस दौरान उन्होंने ब्लैकरॉक को गुजरात की गिफ्ट सिटी में परिचालन शुरू करने के लिए आमंत्रित किया था। गांधीनगर में हुई ताजा बैठक में इसी प्रस्ताव को आगे बढ़ाने पर चर्चा हुई। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने बैठक में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की परिकल्पना से विकसित गिफ्ट सिटी आधुनिक वित्तीय सेवाओं, अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग और फिन्टेक के लिए विश्वस्तरीय इकोसिस्टम उपलब्ध कराती है। उन्होंने गिफ्ट सिटी में बैंकिंग परिसंपत्तियों, फंड कमिटेमेंट और अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों की बढ़ती मौजूदगी का उल्लेख करते



हुए इसे वैश्विक वित्तीय एवं प्रौद्योगिकी गेटवे बनाने के विजन को रेखांकित किया। मुख्यमंत्री ने उम्मीद जताई कि गिफ्ट सिटी में ब्लैकरॉक की मजबूत मौजूदगी गुजरात को सिंगापुर और हांगकांग जैसे प्रमुख वित्तीय केंद्रों की तर्ज पर वैश्विक निवेश के लिए आकर्षक गंतव्य बनाने में मदद करेगी। उन्होंने कंपनी के सेवा विस्तार के लिए राज्य सरकार की ओर से हरसंभव सहयोग देने की तत्परता भी जताई। बैठक में ब्लैकरॉक के चीफ ऑफरिंग्स ऑफिसर रॉबर्ट गोल्डस्टीन ने कंपनी की स्थापना वर्ष 1988 से लेकर अब तक की प्रगति की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कंपनी 40 से अधिक देशों में 15.3 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक की परिसंपत्तियों

का प्रबंधन करती है। ब्लैकरॉक दुनिया भर में संस्थागत निवेशकों, सरकारों, कंपनियों और व्यक्तिगत निवेशकों को निवेश प्रबंधन तथा वित्तीय प्रौद्योगिकी सेवाएं प्रदान करती है। कंपनी का प्रमुख निवेश उत्पाद आईशेयर्स इंटीएफ (एक्सचेंज ट्रेडेड फंड) है, जिसके माध्यम से निवेशक इक्विटी, फिक्स्ड इनकम, कमोडिटी और मल्टी-एसेट बाजारों में निवेश कर सकते हैं। ब्लैकरॉक का अलादीन प्लेटफॉर्म वैश्विक वित्तीय क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह पोर्टफोलियो प्रबंधन, जोखिम प्रबंधन, ट्रेडिंग और निवेश विश्लेषण के लिए तकनीक एवं डेटा आधारित समाधान उपलब्ध कराता है। गिफ्ट सिटी में ऐसी वित्तीय तकनीक और निवेश प्रबंधन क्षमताओं के

कर्नल सी.के. नायडू ट्रॉफी के लिए गुजरात की टीम घोषित, 16 में से 4 खिलाड़ी वलसाड जिले के

गुजरात क्रिकेट एसोसिएशन और बीडीसीए ने खिलाड़ियों को दी शुभकामनाएं

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, वलसाड, 13 अक्टूबर। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा आयोजित अंडर-23 पुरुष क्रिकेटर्स की कर्नल सी.के. नायडू ट्रॉफी 2026-27 के लिए गुजरात की टीम की घोषणा कर दी गई है। गुजरात क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा घोषित टीम में अहमदाबाद, गांधीनगर, नडियाद, सूरत और वलसाड जिले के कुल 16 खिलाड़ियों का चयन किया गया है। इनमें से चार खिलाड़ी वलसाड जिले के हैं, जिससे



जिले के क्रिकेट प्रेमियों में खुशी की लहर है। वलसाड जिले से चयनित खिलाड़ियों में हेनिल पटेल, भव्य चौहान, द्रोण देसाई और दिव्य आहिर शामिल हैं। इन चारों खिलाड़ियों का चयन बलसाड डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन (बीडीसीए) के मार्गदर्शन में जिले के लिए गौरव की बात है। गुजरात क्रिकेट एसोसिएशन ने टीम को टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करने, सफलता हासिल करने और

गुजरात का गौरव बढ़ाने के लिए शुभकामनाएं दी हैं। वहीं, गुजरात की टीम में चयनित होने पर बलसाड डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन के मानद मंत्री जनक देसाई ने जिले के चारों खिलाड़ियों को बधाई दी और उन्हें प्रतियोगिता में बेहतरीन प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित किया। उल्लेखनीय है कि वलसाड जिले के खिलाड़ी हेनिल पटेल पिछले वर्ष भारतीय अंडर-19 टीम में भी चयनित हुए थे। उन्होंने विश्व कप में

उत्कृष्ट प्रदर्शन किया था और भारतीय टीम को विश्व कप चैंपियन बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया था। अब कर्नल सी.के. नायडू ट्रॉफी के लिए गुजरात की टीम में जिले के चार खिलाड़ियों के चयन से स्थानीय क्रिकेट जगत में उत्साह का माहौल है। जिले के क्रिकेट प्रेमियों ने भी खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य और आगामी प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन की उम्मीद जताई है।

ब्लूमबर्ग फोरम में PM मोदी ने कहा- हम विश्व के साथ और विश्व के लिए आगे बढ़ते हैं

■ हमारे लिए सुधार कोई विवशता नहीं, बल्कि दृढ़ विश्वास है: प्रधानमंत्री

नई दिल्ली (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज नई दिल्ली में ब्लूमबर्ग न्यू इकोनॉमी फोरम को संबोधित किया। प्रधानमंत्री ने माइकल ब्लूमबर्ग की पूर्ववर्ती टिप्पणियों का उल्लेख करते हुए भारत में इस फोरम के पहली बार आयोजित होने पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने अर्थव्यवस्था, प्रौद्योगिकी, ऊर्जा और अंतरराष्ट्रीय मामलों सहित वैश्विक महत्व के प्रमुख विषयों पर विचार-विमर्श करने के लिए दुनिया के प्रतिभाशाली व्यक्तियों को एक मंच पर लाने की फोरम की क्षमता की सराहना की। मोदी ने कहा कि मैं ब्लूमबर्ग और उनकी पूरी टीम को बधाई देता हूं। आपने सही समय पर सही स्थान का चयन किया है। पीएम मोदी ने उभरती वैश्विक शक्तियों पर शिखर सम्मेलन का मूलभूत फोकस का उल्लेख करते हुए 21वीं सदी के तीसरे दशक में आए व्यापक बदलावों को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि आज प्रौद्योगिकी, डेटा, ज्ञान और नवाचार शक्ति के प्रमुख मानदंड हैं। उन्होंने उपस्थित लोगों

से इस बात पर पुनर्विचार करने की अपील की कि इस शक्ति का मूल उद्देश्य क्या होना चाहिए—क्या इसका लाभ केवल कुछ चुनिंदा लोगों तक सीमित रहना चाहिए या लाखों लोगों के लिए अवसरों का लोकतंत्रीकरण करना चाहिए। उन्होंने नियंत्रण से आगे बढ़कर सक्षम बनाने और प्रतिस्पर्धा से आगे बढ़कर सहयोग करने की आवश्यकता पर बल दिया। मोदी ने कहा कि मैं आज जिस विजन के साथ यहां आया हूं, वह है स्वयं सफल होने की शक्ति से आगे बढ़कर दूसरों को सफल बनाने की शक्ति— सशक्त बनाने की शक्ति। प्रधानमंत्री ने इस दर्शन को प्राचीन सांस्कृतिक ज्ञान से जोड़ते हुए पारंपरिक संस्कृत ग्रंथों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि ज्ञान, धन और शक्ति का वास्तविक मूल्य इस बात से निर्धारित होता है कि उनका उपयोग कितनी नैतिकता के साथ किया जाता है। उन्होंने बल देकर कहा कि आज की जटिल वैश्विक परिस्थितियों से निपटने के लिए शक्ति के इस गहन उद्देश्य को

समझना अत्यंत आवश्यक है। श्री मोदी ने कहा कि इसका अर्थ यह है कि शक्ति का वास्तविक मूल्य उसके उद्देश्य में निहित है। प्रधानमंत्री ने इस प्राचीन विचारधारा को आधुनिक प्रशासन से जोड़ते हुए कहा कि ‘सशक्त बनाने की शक्ति’ की अवधारणा केवल वैश्विक मंच से दिया जाने वाला उपदेश नहीं है, बल्कि यह भारत की संस्कृति में गहराई से समाहित परंपरा है, जिसे देश के शासन और कार्यसंस्कृति में सक्रिय रूप से अपनाया गया है। उन्होंने कहा कि वह देश की प्रगति के ठोस शक्ति— सशक्त बनाने से इस परिवर्तनकारी विचार को स्पष्ट करेंगे। मोदी ने कहा, “इसलिए मैं भारत के ही उदाहरणों के माध्यम से अपनी बात आगे बढ़ाऊंगा।” प्रधानमंत्री ने लोकतंत्र की जन्मी भारत की जीवंतता और विविधता का उल्लेख करते हुए देश की विशाल भाषाई विविधता, 80,000 प्रकाशनों और एक हजार से अधिक टेलीविजन चैनलों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि आधुनिक सोशल मीडिया के दौर

में देश के 50 करोड़ यूट्यूब और इंस्टाग्राम यूजर व्यापक और खुले विमर्श में भाग लेते हैं। यह दर्शाता है कि डिजिटल शक्ति लोकतांत्रिक संवाद को सक्रिय रूप से बढ़ावा दे रही है। श्री मोदी ने कहा कि वर्तमान समय में इसमें डिजिटल शक्ति की प्रमुख भूमिका रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि एक दशक से कुछ अधिक समय पहले तक पहुंच को केवल संपन्न वर्ग का विशेषाधिकार माना जाता था। उन्होंने बताया कि वर्ष 2014 के बाद सरकार ने जानबूझकर डेटा की कीमतों में भारी कमी की, ताकि छोटे शहरों के विद्यार्थियों से लेकर गांवों के दुकानदारों तक सभी को ज्ञान और बाजारों तक तत्काल पहुंच मिल सके। श्री मोदी ने कहा कि भारत में कनेक्टिविटी ने केवल लोगों को ही नहीं, बल्कि अवसरों को भी आपस में जोड़ा है। प्रधानमंत्री ने अंतरराष्ट्रीय अतिथियों को भारत की निर्बाध डिजिटल भुगतान व्यवस्था को देखने के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने बताया कि इस व्यवस्था में

एक साधारण रेहड़ी-पटरी विक्रेता और एक बड़े कार शोरूम द्वारा एक ही प्रौद्योगिकी प्लेटफॉर्म का उपयोग किया जाता है। उन्होंने वित्तीय सेवाओं तक पहुंच के इस व्यापक विस्तार को समावेशी प्रौद्योगिकी का उत्कृष्ट उदाहरण बताया। मोदी ने कहा कि यह समावेशी प्रौद्योगिकी की शक्ति है। पीएम मोदी ने कहा कि देश की डिजिटल क्षमताओं को विकासशील देशों (ग्लोबल साउथ) और अन्य साझेदार देशों के साथ लगातार साझा किया जा रहा है, ताकि वे अपना डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना तंत्र विकसित कर सकें। उन्होंने महामारी के दौरान उपयोग किए गए ओपन-सोर्स कोविन प्लेटफॉर्म का उल्लेख करते हुए इसे घरेलू नवाचार द्वारा वैश्विक संभावनाओं के द्वार खोलने का प्रमुख उदाहरण बताया। श्री मोदी ने कहा इसका अर्थ है कि हमारी क्षमता मानवता को सशक्त बनाने वाली होनी चाहिए। प्रधानमंत्री ने नवाचार के व्यापक लोकतंत्रीकरण का उल्लेख करते हुए भारत में

स्टार्टअप क्षेत्र की तीव्र वृद्धि की सराहना की। उन्होंने बताया कि वर्ष 2014 में कुछ सौ स्टार्टअप से बढ़कर आज इनकी संख्या 2.5 लाख से अधिक हो गई है। उन्होंने कहा कि इनमें से लगभग आधे स्टार्टअप छोटे शहरों से आते हैं और 45 प्रतिशत से अधिक स्टार्टअप में महिलाएं नेतृत्वकारी भूमिका निभा रही हैं। यह दर्शाता है कि समस्याओं का समाधान करने की क्षमता समाज के सभी वर्गों तक पहुंच रही है। मोदी ने कहा कि इसका अर्थ यह है कि नवाचार के अवसर अधिक से अधिक लोगों तक पहुंच रहे हैं। लोक प्रशासन के मूल दर्शन पर बात करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार की शक्ति का उद्देश्य व्यवस्था में लोगों को निर्भर बनाना नहीं, बल्कि उन्हें पूरी तरह सक्षम और सशक्त बनाना होना चाहिए। उन्होंने पिछले दशक में 25 करोड़ लोगों को निर्धनता से बाहर निकालने का श्रेय इसी सशक्तिकरण-आधारित शासन मॉडल को दिया। मोदी ने कहा कि भारत इसी मार्ग पर आगे बढ़ रहा है।

14 अक्टूबर को 15 राज्यों में बारिश का अलर्ट, आंधी-तूफान और ओलावृष्टि की चेतावनी

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश के कई हिस्सों में मौसम एक बार फिर करवट लेने जा रहा है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने बुधवार, 14 अक्टूबर को दिल्ली, उत्तर प्रदेश, बिहार समेत 15 राज्यों में बारिश, तेज हवाओं

और गरज-चमक की चेतावनी जारी की है। कुछ इलाकों में ओलावृष्टि और आंधी-तूफान की भी आशंका है। मौसम विभाग के अनुसार, उत्तर भारत में पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, चंडीगढ़, हिमाचल प्रदेश और जम्मू-

कश्मीर में गरज-चमक के साथ बारिश हो सकती है। पश्चिमी राजस्थान के कुछ हिस्सों में तेज आंधी और ओले गिरने की संभावना है। उत्तर प्रदेश के कई जिलों में बारिश और तेज हवाओं का असर देखने को मिल सकता

है। बिहार में भी कई क्षेत्रों में बारिश और आंधी का अलर्ट जारी किया गया है। वहीं, दक्षिण भारत में 14 से 19 अक्टूबर के बीच बारिश की गतिविधियां बढ़ने अनुमान है। उत्तर-पूर्वी मानसून के सक्रिय होने से दक्षिण

भारत के कई राज्यों में तेज बारिश हो सकती है। इस बीच देश से दक्षिण-पश्चिम मानसून की विदाई का दौर भी जारी है। मौसम में बदलाव के चलते तापमान में गिरावट आने से लोगों को गर्मी से राहत मिल सकती है। हालांकि,

तेज हवाओं, बिजली गिरने और ओलावृष्टि से जनजीवन प्रभावित होने की आशंका है। मौसम विभाग ने लोगों को खराब मौसम के दौरान सतर्क रहने और स्थानीय मौसम संबंधी चेतावनियों का पालन करने की सलाह दी है।

भारत की राष्ट्रपति विजयवाड़ा में राष्ट्रीय सरस मेले में शामिल होंगी

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत के राष्ट्रपति, द्रौपदी मुर्मू 14 से 15 अक्टूबर, 2026 तक आंध्र प्रदेश का दौरा करेंगी। 15 अक्टूबर, 2026 को राष्ट्रपति

CHANGE OF NAME

I HAVE CHANGE OF MY NAME FROM ANDHER NIHARIKA TO NEW NAME NIHARIKA BAPJIBHAI ANDHER

Addr.:House No. 49, VADUPADA, VASONA, SILVASSA-396230 UT OF DNH&DD.

नाम બદલેલ છે

આથી હું ધર્મેન્દ્રકુમાર પાનાચંદ એ બહેર કડુ છું કે માડું નામ પહેલા ધર્મેન્દ્રકુમાર પી. ૧૬લા આ પ્રમાણે હતું અને હવેથી ધર્મેન્દ્રકુમાર પાનાચંદ રહેશે .

સરનામું:- ધર્મેન્દ્રકુમાર પાનાચંદ, ઘર નં. ૫-૫૮, (મોઢવાડા, દીવ-૩૬૨૫૨૦ (યુ.ટી દાદરા નગર હવેલી અને દમણ અને દીવ)

નામ બદલેલ છે

આથી હું મનહેર વસંતલાલ પંડીયા એ બહેર કડુ છું કે માડું નામ પહેલા મનોહર વી. પંડયા આ પ્રમાણે હતું અને હવેથી મનહેર વસંતલાલ પંડીયા રહેશે.

સરનામું:- મનહેર વસંતલાલ પંડીયા, ઘર નં. ૬, ફિરંગીવાડા, દીવ ૩૬૨૫૨૦ (યુ.ટી દાદરા નગર હવેલી અને દમણ અને દીવ)

आन्दोलन वही, जो सार्थक मुद्दा, दिशा एवं भरोसे से जुड़ा हो



ललित गर्ग

आज सबसे गंभीर प्रश्न यह है कि जनांदोलनों की दिशा कौन तय कर रहा है? क्या आंदोलन वास्तव में जनसमस्याओं के समाधान के लिए खड़े हो रहे हैं, अथवा जनता के असंतोष को राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का साधन बनाया जा रहा है? यह प्रश्न किसी एक दल या संगठन तक सीमित नहीं है।

लोकतंत्र में असहमति उसकी कमजोरी नहीं, बल्कि उसकी जीवंतता का प्रमाण है। सरकार से सवाल पृष्ठना, नीतियों का विरोध करना और अपने अधिकारों के लिए आवाज उठाना नागरिक स्वतंत्रता का अनिवार्य हिस्सा है। लेकिन लोकतंत्र की वास्तविक परीक्षा केवल इस बात से नहीं होती कि विरोध करने की कितनी स्वतंत्रता है, बल्कि इससे भी होती है कि उस स्वतंत्रता का उपयोग किस उद्देश्य, किस भाषा और किस पद्धति से किया जा रहा है। किसी आंदोलन का मुद्दा कितना ही महत्वपूर्ण क्यों न हो, यदि उसका नेतृत्व दिशाहीन हो जाए, भाषा उत्तेजक बन जाए और पद्धति हिंसा अथवा अराजकता की ओर बढ़ने लगे, तो उसका नैतिक आधार कमजोर पड़ने लगता है। इसलिए आज देश के सामने प्रश्न केवल आंदोलनों का नहीं, बल्कि उनके चरित्र, विश्वसनीयता और राष्ट्रीय उत्तरदायित्व का भी है। दिल्ली में हाल के विरोध प्रदर्शनों और उन पर प्रशासन की सख्ती के बाद सर्वोच्च न्यायालय के हस्तक्षेप ने एक बार फिर लोकतंत्र की सीमाओं और संभावनाओं पर बहस छेड़ दी है। एक ओर शांतिपूर्ण विरोध नागरिकों का अधिकार है, तो दूसरी ओर सार्वजनिक व्यवस्था, नागरिक सुरक्षा और कानून का पालन सुनिश्चित करना शासन का दायित्व है। इन दोनों के बीच संतुलन ही संवैधानिक लोकतंत्र की पहचान है। न तो सरकार को कानून-व्यवस्था के नाम पर नागरिक स्वतंत्रताओं के अनावश्यक दमन की छूट दी जा सकती है और न ही आंदोलनकारियों को लोकतांत्रिक अधिकारों की आड़ में सार्वजनिक जीवन को बाधित करने का असीमित अधिकार प्राप्त है। संविधान अधिकार देता है, लेकिन उन अधिकारों के साथ उत्तरदायित्व भी जोड़ता है। आज सबसे गंभीर प्रश्न यह है कि जनांदोलनों की दिशा कौन तय कर रहा है? क्या आंदोलन वास्तव में जनसमस्याओं के समाधान के लिए खड़े हो रहे हैं, अथवा जनता के असंतोष को राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का साधन बनाया जा रहा है? यह प्रश्न किसी एक दल या संगठन तक सीमित नहीं है। सत्ता पक्ष हो या विपक्ष, सामाजिक संगठन हों या जनसमूह, सभी को अपने आचरण की कसौटी संविधान, नैतिकता और जनहित को बनाना चाहिए। लोकतंत्र में विपक्ष की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। वह सरकार की नीतियों पर सवाल उठाता है, कमियों को सामने लाता है और जनहित के मुद्दों को राजनीतिक विमर्श में स्थान देता है। लेकिन विपक्ष का दायित्व केवल विरोध करना नहीं, बल्कि वैकल्पिक दृष्टि प्रस्तुत करना भी है। यदि हर असहमति को सत्ता के विरुद्ध निर्माणक संघर्ष में बदलने का प्रयास किया जाए, हर प्रशासनिक निर्णय को राजनीतिक षड्यंत्र बताया जाए और प्रत्येक जनसमस्या को व्यापक अव्यवस्था का प्रतीक बना दिया जाए, तो वास्तविक मुद्दे शोर में खोने लगते हैं। इसी तरह सरकार भी यदि आलोचना



को शत्रुता समझने लगे, तो लोकतांत्रिक संवाद की संभावनाएं संकुचित हो जाती हैं। आंदोलन की साख उसके मूल उद्देश्य एवं भरोसे से बनती है। जिस मुद्दे को लेकर लोग एकत्र होते हैं, उसकी स्पष्टता, तथ्यात्मक प्रामाणिकता और समाधान की दिशा आंदोलन की विश्वसनीयता निर्धारित करती है। जब मूल प्रश्न पीछे छूट जाता है और राजनीतिक दलों की प्रतिस्पर्धा, व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाएं अथवा वैचारिक टकराव केंद्र में आ जाते हैं, तब आंदोलन की ऊर्जा बिखरने लगती है। जनसमर्थन जुटाना और जनविश्वास अर्जित करना दो अलग-अलग बातें हैं। भीड़ किसी क्षणिक आक्रोश का परिणाम हो सकती है, लेकिन जनविश्वास निरंतर नैतिक आचरण और रचनात्मक कार्यों से अर्जित होता है। भारत का लोकतांत्रिक इतिहास इस संदर्भ में अनेक महत्वपूर्ण उदाहरण प्रस्तुत करता है। वर्ष 1974 का छात्र आंदोलन और लोकनायक जयप्रकाश नारायण का नेतृत्व बताता है कि जनाक्रोश को रचनात्मक परिवर्तन की शक्ति में कैसे बदला जा सकता है। बिहार के छात्रों ने भ्रष्टाचार, महंगाई और शासन संबंधी समस्याओं के विरुद्ध आवाज उठाई थी। जयप्रकाश नारायण ने इस असंतोष को व्यापक सामाजिक और राजनीतिक सुधारों की दिशा देने का प्रयास किया। आज के आंदोलनों को इस ऐतिहासिक अनुभव से सीखना चाहिए। किसी भी आंदोलन की सफलता केवल इस बात से नहीं मापी जानी चाहिए कि कितनी सड़कें बंद हुईं, कितने लोग एकत्र हुए या कितने दिनों तक विरोध चला। उसकी

सफलता का वास्तविक पैमाना यह होना चाहिए कि उसने किस समस्या का समाधान प्रस्तुत किया, जनजीवन में क्या सकारात्मक परिवर्तन लाया और समाज में संवैधानिक चेतना को कितना मजबूत किया। वर्तमान समय में इंटरनेट मीडिया ने जनमत निर्माण की प्रक्रिया को पूरी तरह बदल दिया है। अब कोई घटना कुछ ही मिनटों में व्यापक बहस का विषय बन सकती है। यह लोकतंत्र के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है, क्योंकि इससे आम नागरिकों को अपनी बात रखने और प्रशासन से जवाब मांगने का मंच मिला है। लेकिन यहीं माध्यम भ्रामक सूचनाओं, अंधेरे तथ्यों, भावनात्मक अभियानों और अपुष्ट आरोपों को भी तेजी से प्रसारित कर सकता है। हैशटैग, वायरल वीडियो और ऑनलाइन समर्थन अपने आप में किसी आंदोलन की नैतिक प्रामाणिकता का प्रमाण नहीं हैं। किसी आरोप की गंभीरता का निर्धारण उसके प्रमाणों से होना चाहिए, उसकी लोकप्रियता से नहीं। यदि आंदोलनकारी तथ्यों की पुष्टि किए बिना आरोप लगाते हैं, तो वे अपने ही उद्देश्य को नुकसान पहुंचा सकते हैं। इसी प्रकार प्रशासन का दायित्व है कि वह आलोचनात्मक आवाजों को केवल इसलिए सदिग्ध न माने कि वे सरकार के विरुद्ध हैं। पारदर्शिता, तथ्यपरक संवाद और निष्पक्ष जांच ही अविश्ववास को दूर करने के प्रभावी उपाय हैं। आज युवाओं के पास डिजिटल तकनीक, नवाचार, उद्यमिता और सामाजिक सहभागिता के अनेक अवसर हैं। उनकी ऊर्जा केवल विरोध तक सीमित न रहे, बल्कि समाधान निर्माण में

ई-कचरा: आधुनिक युग की एक गंभीर पर्यावरणीय चुनौती

हैं। बहरहाल, पाठकों को बताता चलूँ कि पुराने और बेकार इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के सुरक्षित निपटान, पुनर्चक्रण और पर्यावरण संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए हर साल 14 अक्टूबर को अंतरराष्ट्रीय ई-कचरा दिवस मनाया जाता है। वास्तव में, इस दिवस को मनाने के पीछे का मुख्य उद्देश्य लोगों को यह समझाना है कि पुराने मोबाइल, छोटे इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों, केबल और बैटरी को सामान्य कूड़े में फेंकने के बजाय उचित संग्रह केंद्रों तक पहुंचाना चाहिए, ताकि उनका सुरक्षित पुनर्चक्रण किया जा सके। इस दिवस की शुरुआत वर्ष 2018 में हुई थी। इसकी शुरुआत अस्थिर विद्युत एवं इलेक्ट्रॉनिक उपकरण फोरम ने की थी। वास्तव में, यह एक अंतरराष्ट्रीय गैर-लाभकारी संगठन है, जो विद्युत एवं इलेक्ट्रॉनिक कचरे के उचित प्रबंधन और पुनर्चक्रण को बढ़ावा देता है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि इस संगठन की स्थापना वर्ष 2002 में बेलजियम की राजधानी ब्रुसेल्स में हुई थी।

हाल फिलहाल, इसमें कोई संदेह या दोराय नहीं है कि विज्ञान और तकनीक ने हमारे जीवन को सरल और सुविधाजनक बनाया है, लेकिन इनसे जुड़े उपकरणों का गलत तरीके से निपटान पर्यावरण के लिए गंभीर समस्या बन सकता है। इलेक्ट्रॉनिक कचरे में सोसा और पारा जैसे हानिकारक पदार्थ हो सकते हैं, जो मिट्टी और पानी को दूषित कर सकते हैं। दूसरी ओर, इसी कचरे में सोना, तांबा और एल्युमीनियम जैसी कीमती धातुएं तथा कई उपयोगी पदार्थ भी पाए जाते हैं, लेकिन इन पदार्थों को

पुनर्चक्रण के माध्यम से दोबारा प्राप्त किया जा सकता है। इससे जहां एक ओर प्राकृतिक संसाधनों की बचत होती है, वहीं पर नए कच्चे माल(रा-मैटेरियल) की आवश्यकता कम होती है। ई-कचरे को खुले में जलाने या असुक्ष्मित तरीके से तोड़ने से पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचता है। इसलिए देश के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य है कि वह पुराने इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को अधिकृत संग्रह केंद्रों या पंजीकृत पुनर्चक्रणकेंद्रों तक पहुंचाएं और मृत्तुथों, अन्य जीवों तथा प्रकृति के स्वास्थ्य की रक्षा में योगदान दें।

ई-कचरे की स्थिति:- विश्व और भारत-

संयुक्त राष्ट्र की ग्लोबल ई-वेस्ट मॉनिटर रिपोर्ट-2024 के अनुसार, वर्ष 2022 में दुनिया भर में लगभग 62 मिलियन टन यानी 6.2 करोड़ टन ई-कचरा उत्पन्न हुआ। वैश्विक स्तर पर प्रति व्यक्ति औसतन 7.8 किलोग्राम ई-कचरा पैदा हुआ। चिंताजनक बात यह है कि कुल ई-कचरे में से केवल 22.3 प्रतिशत का ही औपचारिक रूप से संग्रह और पुनर्चक्रण किया गया। शेष लगभग 77.7 प्रतिशत ई-कचरे का उचित प्रबंधन नहीं हो सका और उसका बड़ा हिस्सा अनौपचारिक क्षेत्रों या कचरा भराव स्थलों तक पहुंच गया। इतना ही नहीं, आज हमारा देश भारत भी ई-कचरे की समस्या से गंभीर रूप से प्रभावित है। दुनिया में चीन और अमेरिका के बाद भारत को ई-कचरा उत्पन्न करने वाले प्रमुख देशों में तीसरे स्थान पर बताया जाता है। भारत में ई-कचरे की मात्रा के संबंध में लगभग 4.5 मिलियन टन यानी 45 लाख टन प्रतिवर्ष का आँकड़ा

सामने आया है। उल्लेखनीय है कि हमारे देश में ई-कचरे का एक बड़ा हिस्सा अनौपचारिक क्षेत्र में काम करने वाले कबाड़ी और अन्य लोगों द्वारा संसाधित किया जाता है। उपलब्ध अनुमानों में यह हिस्सा लगभग 80 से 90 प्रतिशत तक बताया गया है। इस काम में सुरक्षा के उचित उपाय नहीं अपनाए जाने पर काम करने वाले लोगों के स्वास्थ्य और पर्यावरण को गंभीर नुकसान पहुंच सकता है। ई-कचरे की बढ़ती मात्रा इस समस्या को और गंभीर बना रही है। आँकड़े बताते हैं कि वर्ष 2010 से 2022 के बीच ई-कचरे में हुई वृद्धि की दर उसके औपचारिक संग्रह और पुनर्चक्रण की वृद्धि दर से लगभग पाँच गुना अधिक रही। ग्लोबल ई-वेस्ट मॉनिटर-2024 के अनुमान के अनुसार, यदि यही स्थिति बनी रही, तो वर्ष 2030 तक दुनिया में ई-कचरे की मात्रा बढ़कर लगभग 82 मिलियन टन यानी 8.2 करोड़ टन प्रतिवर्ष हो सकती है।

ई-कचरा कम करने के लिए क्या करें?

भारत जैसे तेजी से डिजिटल होते देश में मोबाइल फोन, कंप्यूटर, घरेलू उपकरणों और अन्य इलेक्ट्रॉनिक सामान का इस्तेमाल लगातार बढ़ रहा है। इसलिए ई-कचरे को केवल सफाई की समस्या मानना उचित नहीं है। यह पर्यावरण संरक्षण, प्राकृतिक संसाधनों की बचत, जनस्वास्थ्य और जिम्मेदारी के साथ उपभोग करने से जुड़ा विषय है। वास्तव में, ई-कचरे को कम करने के लिए हमें इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का इस्तेमाल सोच-समझकर करना चाहिए।

वोट चोरी के आरोप:राजनीतिक अस्थिरता फैलाने का षडयंत्र

मुंबई के शिवाजी पार्क और अन्य हिस्सों में भी आदित्य ठाकरे और अमित ठाकरे सहित विभिन्न राजनीतिक दलों और समूहों ने प्रदर्शन किया है। चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति की प्रक्रिया और नए कानून को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट में को वारंटो याचिका भी दाखर की गई है।

बढ़ते विरोध के बीच मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के कुछ चुनावी दौरे स्थगित किए गए हैं और चुनाव आयोग के अधिकारियों की सुरक्षा बढ़ाई गई है। विपक्ष इस मुद्दे को लेकर जिस तरह आक्रामकता दिखा रहा है वह लोकतांत्रिक मर्यादों का उल्लंघन करने जैसा है। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के लगभग 72 लाख वोटों के विशेष गहन निरीक्षण का समर्थन किया गया है। पत्र में उन्होंने कहा कि संवैधानिक संस्थाओं का आकलन राजनीतिक जुड़ाव के आधार पर नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इसी चुनाव आयोग के तहत केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा ने हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक, तेलंगाना, झारखंड और जम्मू-कश्मीर के विधानसभा चुनावों में हार का सामना किया है। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में भी भाजपा अपना पूर्ण बहुमत खो बैठी थी। उस समय चुनावी प्रक्रिया पर जीतने वाले पक्ष ने कोई शिकायत नहीं की थी। भारत सरकार के पूर्व सचिवों, राजदूतों, पुलिस महानिदेशकों, राज्य के मुख्य सचिवों और आन्तरिक विभाग के पूर्व महानिदेशकों समेत इन उच्च पदस्थ रहे अधिकारियों ने

कहा कि चुनावी प्रक्रिया में गलतियों को सुधारा जाना चाहिए लेकिन इससे एसआइआर की वैधता पर सवाल नहीं उठाना जा सकता। एसआइआर का उद्देश्य अपराध मतदाताओं को हटाना है। इस प्रक्रिया में कुछ असुविधा हो सकती है, लेकिन यह भारत के लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए आवश्यक है। बूथों पर कब्जे, मतपेटियों में अपने पक्ष में मतपत्र दूसरे और चुनावी हिंसा के दौर से भारत के बदलाव का चिह्न करते हुए अधिकारियों ने कहा कि आज की चुनावी व्यवस्था में कई स्तरों पर जांच और सुरक्षा उपाय हैं। इनमें मतदान एजेंट, ईवीएम को सील करना, स्ट्रॉंग रूम को सुरक्षा और वीवीपट से सत्यापन शामिल हैं। उन्होंने पिछले साल बिहार विधानसभा चुनाव का हवाला दिया, जिसमें दोबारा मतदान की नौबत नहीं आई और 1951 के बाद सबसे अधिक मतदान दर्ज किया गया।

पूर्व अधिकारियों ने एसआइआर को मतदाता सूची को दुरुस्त करने और अपराध मतदाताओं के नाम हटाने की आवश्यक प्रक्रिया बताया। उन्होंने बिहार का उदाहरण देते हुए कहा कि इस प्रक्रिया के दौरान लगभग 22 लाख मृत मतदाताओं और सात लाख दोहरी प्रविष्टियों की पहचान की गई। पूर्व अधिकारियों ने कहा- हम किसी दल से नहीं जुड़े हैं। हम इसलिए पत्र लिख रहे हैं, क्योंकि बिना पर्याप्त सूबूतों के चुनावों को बार-बार धांधलीपूर्ण बताने से लोकतंत्र के प्रति जनता का विश्वास कमजोर होता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि एसआइआर किसी भी मतदाता सूची से बाहर करने का हथियार नहीं है। मसौदा मतदाता सूची अस्थायी होती है और इसमें नाम न होने का मतलब नाम काटा जाना नहीं है। नोटिस जारी और सुनवाई के बिना किसी का नाम नहीं हटाया जाता। पूर्व अधिकारियों ने कहा कि लोकतंत्र उन लोगों से कमजोर होता है, जो बिना सुबूत के पॉलीटिकल नैरेटिव गढ़ते हैं। उन्होंने कहा कि यह साफ तौर पर चुनावी व्यवस्था के जरिये लोगों द्वारा खारिज किए जाने के बाद प्रासंगिक

बने रहने की कोशिश है।

गौरतलब है कि इससे पूर्व 42 पूर्व न्यायाधीशों ने चुनाव आयोग के समर्थन में खुला पत्र लिखा था। सीजेपी और विपक्षी दलों के नेता देश की व्यवस्था को कमजोर करने व देश की साख व छवि को कमजोर करने का प्रयास कर रहे हैं, यह देश हित में नहीं है। एक लोकतांत्रिक सरकार जो देश के संविधान अनुसार काम कर रही है उसके प्रति भ्रम व भ्रांतिवाय पैदा करना लोकतंत्र के हित में नहीं है। विपक्षी दलों को जहां अपनी कमजोरियों के लेकर आत्मचिंतन करने की आवश्यकता है, वहीं भाजपा व मोदी सरकार की नीतियों से भी सीखने की आवश्यकता है। विपक्षी दल जिस तरह देश में एक नकारात्मक राजनीति माहौल बनाकर स्थापित सरकार व व्यवस्था को कमजोर करने का प्रयास कर रहा है, उससे देश में अराजकता का माहौल बनेगा जो आम आदमी सहित किसी के भी हित में नहीं होगा। सरकार की नीतियों का विरोध करना विपक्षी दलों का अधिकार है, लेकिन लोकतांत्रिक व्यवस्था को कमजोर करना जिसके वह स्वयं एक महत्वपूर्ण अंश हैं, अनुचित है। घरेने व प्रदर्शन विपक्षी दलों की हताशा को दर्शाते ही हैं, साथ में जन साधारण की रोजगारी की ज़िंदगी में भी अनेक प्रकार की बाधाएं पैदा करते हैं। भीड़तंत्र को लोकतंत्र पर हावी नहीं होने दिया जा सकता। अगर ऐसा होता है तो यह स्थिति अराजकता वाली ही होगी तथा जिस की लाठी उसकी भैंस वाली जंगल राज स्थापित होगा, भारत विरोधी शायद यही चाहते हैं। सवाल यह है कि काकरोच पार्टी को आगे कर क्या विदेशों से संचालित भारत विरोधी ताकतें भारत में राजनीतिक अस्थिरता फैला कर भारत को कमजोर करने के मंसूबे को कामयाब करने की कोशिश कर रहे हैं और विपक्षी दल इस में सहयोगी बन कर अपने हाथ धोने की कोशिश कर रहा है। यह बेहद शर्मनाक और स्तरनाक अजेंडा है इस को हर कीमत पर नकारना होगा।

संपादकीय

ट्रंप के भ्रम

इसमें दो राय नहीं कि कथित रूप से विश्व की महाशक्ति कहलाने वाले अमेरिका के भ्रम भी बड़े हैं। ह्यजिसकी लाठी उसकी भैंसहू की तर्ज पर दुनिया को हान्कने वाले ट्रंप द्वारा रूसी डीजल खरीदने के निर्णय ने अमेरिका को एक बार फिर दुनिया में बेनकाब किया है। यह विडंबना है कि रूसी तेल खरीदने पर ट्रंप ने भारत पर पच्चीस फीसदी अतिरिक्त टैरिफ लगाया था। अब वही ट्रंप जब घरेलू राजनीति की मुश्किलों में धिरे तो उन्होंने यूक्रेन युद्ध की तमाम नैतिक दलीलें ताक पर रख अब रूस से डीजल खरीदने का फैसला कर लिया। दुर्भाग्यपूर्ण यह भी है कि पिछले दिनों ट्रंप ने एक ऐसे कानून को मंजूरी दी थी, जिसमें भारत व चीन के रूस से कच्चा तेल खरीदने पर सी फीसदी टैरिफ लगाने का प्रावधान था। ये अमेरिका के दोहरे चरित्र को ही उजागर करता है। यह सर्वविदित है कि अमेरिका की तमाम नीतियां ह्यअमेरिका से शुरू होकर अमेरिका पर खत्म हो जाती हैंह्य ह्मलपल होता है तोला, पल में माशाह्म वाले ट्रंप के बयानों पर विश्वास करना मुश्किल होता है। कब वे अपनी पहली बात से मुकर जाएं, कहना कठिन है। उनके भ्रामक बयानों ने पूरी दुनिया में अमेरिका की विश्वसनीयता की रसातल में पहुंचा दिया है। ट्रंप पहले दलील देते रहे हैं कि रूस से पेट्रोलियम पदार्थों को खरीदने का मतलब है कि यूक्रेनियों के संहार के लिये संसाधन उपलब्ध कराना। अब जब अमेरिका रूस से डीजल खरीदेगा तो क्या उससे रूस की आक्रामकता को बढ़ावा नहीं मिलेगा? लगातार यूक्रेन के समर्थन में बयानबाजी करने वाले ट्रंप ने अब डीजल खरीदने के लिये ही यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेन्स्की पर बड़ा हमला बोला है। अब वे उन्हें शांति के रास्ते में बाधक बता रहे हैं। ट्रंप ने यहां कच कह दिया है कि अब यूक्रेन को अपना राष्ट्रपति बदल लेना चाहिए। उनके इस बयान से दुनिया व नाटो में खलबली मच गई है। यानी ट्रंप अमेरिकी डीजल जरूरतों के लिये यूक्रेन पर युद्ध खत्म कराने के लिये दबाव बना रहे हैं। दरअसल, ट्रंप की रूस से तेल खरीदने की नीति में आए बदलाव की असली वजह अगले माह अमेरिका में होने वाले चुनाव हैं।

चिंतन-मनन

उत्सव है बुद्धत्व

बुद्धत्व मौलिक रूप से प्राति है, विद्रोह है, बगावत है। काशी के पंडितों की सभा प्रमाणपत्र थोड़े ही देगी बुद्ध को! बुद्धपुरुष तुम्हें पोप की पदवियों पर नहीं मिलेंगे और न शंकराचार्य की पदवियों पर मिलेंगे। क्योंकि ये तो परंपरा हैं। और परंपरा में जो आदमी सफल होता है, वह मुर्दा हो तो ही सफल हो पाता है। परंपरा के द्वारा पत्र पाना सिर्फ मुर्दों के भाग्य में है, जीवत लोगों के नहीं। यह सीमापथ है जीवितों का और मुर्दों का दुर्भाग्य! इसलिए तुम कैसे पहचानोगे? और पूरी पहचान का तुम विचार ही मत करना। क्योंकि तुम पूरा पहचानोगे तो तुम बुद्ध हो जाओगे और तुम बुद्ध होते तो पहचानने की जरूरत न थी। तुम नहीं हो, इसीलिए तुो पहचानने चले हो। इसलिए पूरे-पूरे का खयाल मत करना। छोटा सा टुकड़ा चांदनी का तैर आए तुम्हारे पास, तो बहुत धन्यभाग! अहोभाग! तुम उतने ही पर भरोसा करना। उस चांदनी के टुकड़े को पकड़ कर अगर बढ़ते रहे, चलते रहे, तो किसी दिन पूरे चांद के भी मालिक हो जाओगे। किसी दिन पूरा आकाश भी तुम्हारा हो जाएगा। तुम्हारा है; लेकिन अभी तुम्हें पहचाना नहीं आया, चलना नहीं आया। अभी तुम घुटने के बल चलते हुए छोटे बच्चे की भांति हो। अभी तुम्हें चलने का अभ्यास करना है। तो संत उदास नहीं होंगे। बुद्धपुरुष उदास नहीं होंगे। जिनको तुम देखते हो मंदिरों-मस्जिदों में बैठे गुरु-गंभीर लोग, लंबे चेहरों वाले लोग, बुद्धपुरुष वैसे नहीं होंगे। बुद्धपुरुष तो उत्सव है। बुद्धपुरुष तो ऐसा है जिसमें अस्तित्व के कमल खिल गए। बुद्धपुरुष गंभीर नहीं। बुद्धपुरुष के पास तो मुहुहास मिलेगा। हल्की-हल्की हंसी। एक मुस्कुराहट। एक स्मित। एक उत्सव। एक आनंदभाव। तो तुम्हारी आंखुओं से भरी आंखों और कारागृह में दबे चित्त के पास अगर तुम्हें कभी कोई एक स्मित, एक हास, एक उत्सव की झलक भी आ जाए, तो छोड़ा मत उन चरणों को। उन्हीं के सहारे तुम परममुक्ति और स्वातंत्र्य के आकाश तक पहुंच जाओगे। अब तक तो तुम्हारी जीवन पतझड़ से थी। तुम्हारा जीवन राग आंसुओं और रुदन से भरा था। तुमने पहचान का कोई और अहोभाव का क्षण जाना नहीं था। नरक ही सक जाना था। जिस क्षण किसी व्यक्ति के पास तुम्हें लगे- हवा का झोंका आया- स्वच्छ, ताजा, मलयाचल से चलकर, पहाड़ों से उतर कर तुम्हारी घाटियों में, तुम्हारे अंधरे में- हवा का ऐसा झोंका जिसके पास अनुभव में हो जाए, समझना बुद्धत्व करीब है। कुछ घटा है।

उत्तर और दक्षिण कोरिया में बढ़ा तनाव: किम जोंग उन ने दार्गी बैलिस्टिक मिसाइलें

सिओल , एजेंसी। उत्तर कोरिया ने सोमवार को अपने पूर्वी समुद्री इलाके की ओर कई बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। यह जानकारी दक्षिण कोरिया की सेना ने दिया। यह हाल के दिनों में हथियारों के प्रदर्शन का एक और मामला है, जिससे कूटनीतिक बातचीत लंबे समय से रुकी होने के बीच तनाव और बढ़ गया है।

जॉइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ ने क्या बताया? – दक्षिण कोरिया के जॉइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ ने बताया कि मिसाइलें उत्तर कोरिया की राजधानी प्योंगयांग के आस-पास के इलाके से दागी गईं। हाल के वर्षों में देश ने अपने हवाई अड्डे का इस्तेमाल एक मुख्य लॉन्च साइट के तौर पर किया है। जॉइंट चीफ्स ने तुरंत यह नहीं बताया कि कितनी

मिसाइलें देखी गईं या वे कितनी दूर तक गईं। जापान के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि उसने कम से कम दो मिसाइलें देखीं और अनुमान लगाया कि ये हथियार देश के एक्सक्लूसिव इकोनॉमिक ज़ोन के बाहर समुद्र में गिरे।

दक्षिण कोरिया ने किया हथियार के उड़ान परीक्षण– यह लॉन्च दक्षिण कोरिया ने शुक्रवार को अपने पहले घरेलू स्तर पर विकसित हाइपरसोनिक हथियार के उड़ान परीक्षण के कुछ दिनों बाद किया। इस हथियार को ध्वनि की गति से कम से कम पांच गुना तेज उड़ने और मिसाइल डिफेंस सिस्टम से बचने के लिए डिज़ाइन किया गया है। राष्ट्रपति ली जे-युंग ने इसे दक्षिण कोरिया की पारंपरिक रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया।



उत्तर कोरिया क्यों कर रहा इतने परीक्षण?– सियोल के प्रति सख्त रुख अपनाते हुए, उत्तर कोरिया अपने परमाणु-सक्षम हथियारों के जखीरे को बढ़ाने के लिए लगातार हथियारों का परीक्षण कर रहा है। इसमें 3 अक्टूबर को किया गया वह परीक्षण भी शामिल है, जिसे उत्तर कोरिया ने हाइपरसोनिक इंटरमीडिएट-रेंज मिसाइल बताया था। इसे दक्षिण कोरिया और जापान की मिसाइल सुरक्षा प्रणालियों से बचने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

उत्तर कोरिया ने मिसाइल के और भी टेस्ट किए हैं, लाइव-फायर ड्रिल की हैं और एक नया युद्धपोत भी शामिल किया है। नेता किम जोंग-उन अपने परमाणु

हथियार कार्यक्रम का प्रदर्शन कर रहे हैं। इसके साथ ही अमेरिका और दक्षिण कोरिया के लंबे समय से रुके हुए कूटनीतिक बातचीत को फिर से शुरू करने के प्रस्तावों को भी ठुकरा रहे हैं।

दक्षिण कोरिया के तीन सैनिक कैसे घायल हुए? – पिछले महीने भारी हथियारों से लैस अंतर-कोरियाई सीमा के पास लैंड माइन धमाकों में दक्षिण कोरिया के तीन सैनिकों के घायल होने के बाद तनाव और बढ़ गया। दक्षिण कोरिया की सेना और अमेरिका के नेतृत्व वाली यूनाइटेड नेशंस कमांड ने निष्कर्ष निकाला कि ये धमाके उत्तर कोरिया की ओर से लगाए गए उपकरणों के कारण हुए थे। हालांकि, उत्तर कोरिया ने इसकी जिम्मेदारी लेने से इनकार कर दिया है

और माफी की दक्षिण कोरिया की मांग का मजाक उड़ाया है।

हाल के वर्षों में, वॉशिंगटन के साथ परमाणु बातचीत में लंबे समय से चले आ रहे गतिरोध के बीच, किम ने दक्षिण कोरिया के साथ सभी तरह की कूटनीति और सहयोग रोक दिया है और पड़ोसी देश को अपना पक्का दुश्मन बताया है। उन्होंने अब तक अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की बातचीत फिर से शुरू करने की अपील को ठुकरा दिया है। 2019 में यह बातचीत टूट गई थी। उनकी सरकार की मांग है कि वॉशिंगटन प्योंगयांग के प्रति अपनी दुश्मनी वाली नीति छोड़े और बातचीत के लिए शर्त के तौर पर उत्तर कोरिया के परमाणु हथियार खत्म करने की मांग को हटाए।

संक्षिप्त

समाचार

भावनाओं को समझने में महिलाएं आगे, पर यही खूबी बन जाती है उनके लिए बड़ा बोझ

ज्यूरिख, एजेंसी। किसी बैठक में सहकर्मी का अचानक चुप हो जाना, किसी दोस्त के चेहरे से उसकी परेशानी भांप लेना या तनाव के बीच सही बात कहकर माहौल संभाल लेना। ये ऐसे कौशल हैं, जो रिश्तों को बेहतर बनाने के साथ कामकाज को भी आसान करते हैं।

लेकिन जब इन्हें किसी की स्वाभाविक खूबी मान लिया जाता है, तो यही क्षमता उसके लिए अतिरिक्त जिम्मेदारी बन सकती है। महिलाओं के साथ अक्सर ऐसा ही होता है।

लिमरिक विश्वविद्यालय की मैरी एम हाउसफेल्ड और ज्यूरिख विश्वविद्यालय के योखेन मेंगेस ने 1995 से 2023 तक प्रकाशित शोधों की समीक्षा की। इसमें 76 देशों के छह लाख से अधिक लोग शामिल थे।



अध्ययन में औसतन महिलाओं का भावनात्मक बुद्धिमत्ता में प्रदर्शन पुरुषों से बेहतर पाया गया। यह बढ़त खास तौर पर दूसरों की भावनाओं को पहचानने, उनके कारण समझने और उनसे निपटने में मदद करने के मामले में दिखी। हालांकि, इसका अर्थ यह नहीं कि हर महिला इस मामले में हर पुरुष से बेहतर होती है।

बचपन से मिलता है ज़्यादा अभ्यास– भावनात्मक बुद्धिमत्ता का मतलब अपनी और दूसरों की भावनाओं को पहचानने, समझने और संभालने की क्षमता है। शोधकर्ताओं के मुताबिक, इसकी एक वजह बचपन में लड़कें-लड़कियों की परवरिश का अंतर हो सकता है। माता-पिता अक्सर बेटियों को भावनाओं पर बात करने और उन्हें शब्दों में व्यक्त करने के लिए ज़्यादा प्रोत्साहित करते हैं, जबकि बेटों को कई बार भावनाएं दबाने की सीख मिलती है।

इस तरह लड़कियों को दूसरों की भावनाएं समझने और उनके अनुरूप प्रतिक्रिया देने का अधिक अभ्यास मिलता है। जैसे कोई भाषा या वाद्य यंत्र सीखने से उसमें दक्षता बढ़ती है, वैसे ही भावनात्मक कौशल भी अभ्यास से निखरते हैं। वर्ष 2019 में 58 अध्ययनों के मेटा-विश्लेषण में भी पाया गया कि प्रशिक्षण से भावनात्मक बुद्धिमत्ता विकसित की जा सकती है। समस्या तब शुरू होती है, जब महिलाओं की इस क्षमता को कौशल मानने के बजाय उनकी स्वाभाविक जिम्मेदारी समझ लिया जाता है। दफ्तर में टीम का तनाव संभालना, परेशान सहकर्मी को सहारा देना और विवाद शांत करना अक्सर उन्हीं के हिस्से आता है। इससे कामकाज सुचारु रहता है, लेकिन प्रदर्शन के आकलन और पुरस्कारों में इस योगदान को जगह नहीं मिलती।

फिलीपीन में बच्चों के यौन शोषण का खौफनाक नेटवर्क, कैमरे के सामने परोसा जा रहा बचपन

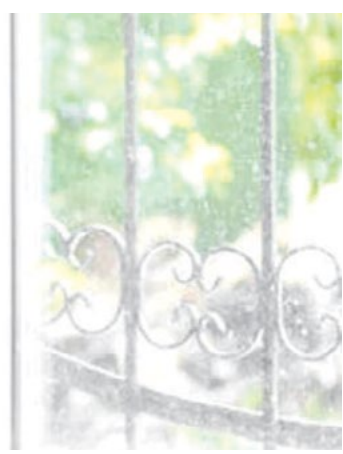
मनीला/वॉशिंगटन, एजेंसी। डिजिटल क्रांति के दौर में जहां दुनिया एक-दूसरे के करीब आई है, वहीं तकनीक का एक ऐसा घिनौना और खौफनाक चेहरा भी सामने आ रहा है जिसने इंसानियत को शर्मसार कर दिया है। द्वीपीय देश फिलीपीन में गरीबी का फायदा उठा मासूमों को बाल यौन शोषण सामग्री में बदला जा रहा है। उन्हें अपने देश में यौन शोषण का शिकार होना पड़ता है और अमीरों का शौक पूरा करने के लिए मीलों दूर स्थित शहरों में सीधे प्रसारित किया जाता है। सीएनएन की एक खोजी रिपोर्ट बताती है कि अमेरिका और यूरोप जैसे अमीर देशों में बैठे लोग इसके बदले में बड़ी रकम खर्च करते हैं।

फिलीपीन इस अवैध और खौफनाक ऑनलाइन नेटवर्क का एक प्रमुख केंद्र बन चुका है। 13 वर्ष की केट (बदला नाम) की कहानी इस भयावह सच्चाई को बयां करती है। कोविड-19 के दौरान जब केट के पिता की नौकरी चली गई और परिवार पाई-पाई को मोहताज हो गया तो



अपने ही कर रहे सौदा...एन्क्रिप्टेड एप्स से मिला बढ़ावा

बच्चों का सौदा करने वाले कोई और नहीं बल्कि उनके अपने परिवार वाले ही होते हैं। फिलिपिनो पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार दलालों में बड़ी संख्या उन माताओं की है, जिन्होंने आर्थिक तंगी के आगे अपने बच्चों का सौदा कर दिया। बच्चों का शोषण करने वाले खरीदार समाज के हर वर्ग से आते हैं। इनमें कॉलेज के छात्र, बिजनेसमैन, रेस्टोरेंट कर्मचारी से लेकर जलवायु सलाहकार और पढ़े-लिखे पेशेवर तक शामिल हैं। कई आरोपी तो ऐसे हैं जो खुद शादीशुदा हैं और जिनके घर में बच्चे व नाती-पोते हैं। पहले यह धंधा डार्क वेब तक सीमित था लेकिन अब टेलीग्राम, व्हाट्सएप और वाइबर जैसे एन्क्रिप्टेड एप्स तक फैल चुका है। इंटरलीग्राम पर तो खुलेआम ऐसे प्राइवेट ग्रुप चलते हैं जहां कैडी, किडी जैसे सैफैतिक शब्दों का इस्तेमाल करके सामग्री की नुमाइश की जाती है।



परिवार को भुखमरी से बचाने के नाम पर उसकी गोद ली गई बड़ी बहन ने ही उसे कैमरे के सामने खड़ा कर दिया। शुरुआती दिनों में केट से केवल विदेशी ग्राहकों के साथ बातचीत बातचीत का नाटक करने को कहा गया। लेकिन धीरे-धीरे मांगें बदलती गईं और ऐसे खौफनाक और हिंसक कृत्यों की मांग की जाने लगी, जिनकी कल्पना मात्र से रोंगटे खड़े हो जाते हैं।

पाकिस्तान को विश्व बैंक का झटका: दक्षिण एशिया की सूची से नाम बाहर, भारत से तुलना खत्म होने पर मचा बवाल

न्यूयार्क, एजेंसी। विश्व बैंक के क्षेत्रीय वर्गीकरण में बदलाव को लेकर पाकिस्तान में बहस छिड़ गई है। पाकिस्तानी पत्रकार शहबाज राणा के मुताबिक, पाकिस्तान को दक्षिण एशिया समूह में हटाकर मध्य पूर्व, उत्तरी अफ्रीका, अफगानिस्तान और पाकिस्तान वाले स्वेडिस्क समूह में शामिल किया गया है। हालांकि, इसे भारत की जीत या पाकिस्तान को दंडित करने का इस्तेमाल बताने के लिए ठोस प्रमाण सामने नहीं हैं। यह बदलाव विश्व बैंक की प्रशासनिक और क्षेत्रीय व्यवस्था से जुड़ा है।

विश्व बैंक के आधिकारिक आँकड़ों के अनुसार, पाकिस्तान और अफगानिस्तान को 1 जुलाई 2025 से दक्षिण एशिया की श्रेणी से हटाकर मध्य पूर्व, उत्तरी अफ्रीका, अफगानिस्तान और पाकिस्तान क्षेत्र में शामिल किया गया। इस बदलाव की पुष्टि विश्व बैंक के आँकड़ा पोर्टल और उसके दिसंबर 2025 के लेख में भी की गई है। दक्षिण एशिया के इस नए वर्गीकरण में अब भारत, बांग्लादेश, श्रीलंका, नेपाल, भूटान और मालदीव शामिल हैं।



पाकिस्तान और अफगानिस्तान को अलग क्षेत्रीय समूह में रखा गया है। पाकिस्तानी पत्रकार शहबाज राणा ने अपने कार्यक्रम में इस बदलाव को भारत-पाकिस्तान तनाव और विश्व बैंक के क्षेत्रीय कार्यालय से जुड़ी परिस्थितियों से जोड़कर चर्चा की। उनके अनुसार, नई दिल्ली में कार्यालय होने की स्थिति में पाकिस्तानी अधिकारियों को वीजा संबंधी कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता था। क्षेत्रीय वर्गीकरण बदलने से पाकिस्तान की भौगोलिक स्थिति या उसकी आय के आधार पर तय होने वाली आर्थिक श्रेणी अपने आप नहीं बदलती।

सरकारी खजाने से ट्रंप का प्रचार पड़ा भारी जनता के पैसों से चल रहे विज्ञापनों पर कोर्ट ने लगाई रोक

वाशिंगटन एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को अपने राजनीतिक संदेश के प्रचार के लिए सरकारी खजाने से चलाए जा रहे टीवी विज्ञापनों पर रोक लगानी होगी। न्यूयॉर्क की एक संघीय अदालत ने रविवार रात प्रशासन को आदेश दिया कि ऐसे सभी विज्ञापन तुरंत बंद किए जाएं, जो अब भी प्रसारित होने बाकी हैं। खास बात यह है कि प्रशासन पहले ही कह चुका था कि विज्ञापन अभियान जल्द खत्म होने वाला है। इसके बावजूद अदालत ने साफ कर दिया कि रविवार रात प्रसारित होने वाले विज्ञापनों समेत बाकी सभी विज्ञापनों को भी रद्द करना होगा।

जनता के पैसे से राजनीतिक प्रचार पर उठे सवाल– यह पूरा मामला उन टीवी विज्ञापनों से जुड़ा है, जिन पर करदाताओं के लाखों डॉलर खर्च किए गए। इन विज्ञापनों के जरिए ट्रंप के राजनीतिक संदेश को लोगों तक पहुंचाया जा रहा था। इस खर्च पर सवाल उठाते हुए एक गठबंधन ने अदालत का दरवाजा खटखटाया। इस गठबंधन में गैर-दलीय गिरानो संगठन कॉमन कॉज भी शामिल था। याचिकाकर्ताओं का आरोप था कि सरकारी धन का इस तरह इस्तेमाल करना नियमों के खिलाफ



अब सरकारी खर्च और राजनीतिक संदेश के इस्तेमाल पर नजर

इस मामले ने सरकारी धन के इस्तेमाल और राजनीतिक प्रचार के बीच की सीमा को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। शिकायत करने वाले संगठनों का कहना है कि जनता के पैसे का इस्तेमाल इस तरह नहीं किया जा सकता, जिसे वे किसी राजनीतिक संदेश को बढ़ावा देने का अनुचित तरीका मानते हैं। अदालत के आदेश का तत्काल असर यह है कि प्रशासन को बचे हुए विज्ञापनों को रोकना होगा। हालांकि, उपलब्ध जानकारी के मुताबिक, यह आदेश अस्थायी रोक के तौर पर जारी किया गया है। मामले में आगे क्या होता है, यह न्यायिक प्रक्रिया के अगले चरणों पर निर्भर करेगा।

है और इसे सार्वजनिक धन का अनुचित इस्तेमाल माना जाना चाहिए। न्यूयॉर्क की अमेरिकी जिला अदालत की जज जेनिफर एल. रोचोन ने याचिकाकर्ताओं की दलीलों पर विचार करते हुए प्रशासन के खिलाफ फैसला सुनाया। उन्होंने अस्थायी रोक लगाने का आदेश जारी किया, जिसके तहत प्रशासन को बचे हुए सभी टीवी विज्ञापन रद्द करने होंगे। इस आदेश में उन विज्ञापनों को भी शामिल किया गया, जिनका प्रसारण रविवार रात होना था। यानी प्रशासन की ओर से विज्ञापन अभियान खत्म करने की घोषणा के बावजूद अदालत ने यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाया कि कोई भी बाकी विज्ञापन प्रसारित न हो।

अमेरिका-ब्रिटेन में पढ़ा रहे पाकिस्तानी शिक्षाविदों ने उठाई आवाज, इमान मजारी और उनके पति को रिहा करे पाकिस्तान

लंदन, एजेंसी। पाकिस्तान में वकील इमान जैनब मजारी-हाज़िर और हदी अली चट्टा की हिरासत को लेकर अमेरिका और ब्रिटेन के विश्वविद्यालयों में कार्यरत पाकिस्तानी मूल के शिक्षाविदों ने आवाज उठाई है। उन्होंने दोनों वकीलों के खिलाफ आरोप वापस लेने और उन्हें तत्काल रिहा करने की मांग की है। शिक्षाविदों ने इसे अभिव्यक्ति की आजादी और कानून के शासन से जुड़ा गंभीर मामला बताया है। लाहौर में जारी संयुक्त बयान में शिक्षाविदों ने पाकिस्तान में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और कानून के शासन की स्थिति पर चिंता जताई। यह बयान जॉर्जटाउन विश्वविद्यालय के आकिल शाह की पहल पर जारी किया गया। बयान के मुताबिक, जनवरी 2026 में इमान मजारी और हदी चट्टा को सोशल मीडिया पोस्ट के मामले में इलेक्ट्रॉनिक अपराध रोकथाम कानून (पीईसीए) के तहत 17 साल जेल की सजा सुनाई गई थी। इन पोस्ट में कथित मानवाधिकार उल्लंघनों की



आलोचना की गई थी। शिक्षाविदों के अनुसार, पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट ने 17 सितंबर 2026 को दोनों की सजा पर रोक लगाते हुए उन्हें जमानत दे दी थी। हालांकि, कुछ ही घंटों के भीतर पुलिस ने एक अन्य मामले में उन्हें हिरासत में ले लिया। संयुक्त बयान के अनुसार, दोनों अब भी हिरासत में हैं। हस्ताक्षरकर्ताओं ने कहा कि इमान मजारी जबर्न गुप्तशुद्धी के मामलों पर आवाज उठाती रही हैं और पीड़ितों तथा उनके

परिवारों का प्रतिनिधित्व करती रही हैं। उन्होंने पाकिस्तान के ताकतवर संस्थानों की सार्वजनिक रूप से आलोचना भी की है। वहीं, हदी चट्टा ने ईशान्दी के आरोपों का सामना कर रहे लोगों और मृत्युदंड पाप कैदियों का बचाव किया है। बयान में कहा गया कि आपराधिक कानून का इस्तेमाल असहमति की आवाज दबाने या वकीलों को उनकी पैरवी के कारण डपटने के लिए नहीं किया जाना चाहिए।

अमेरिका में राजनीतिक ताकत दिखाने की तैयारी, मिडटर्म चुनाव में क्यों बदला भारतीय-अमेरिकियों का प्लान?

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की भारत और प्रवासी भारतीयों के खिलाफ नीतियों ने राजनीतिक दमखम रखने वाले भारतीय प्रवासियों को नए सिरे से अमेरिकी सत्ता में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने के पुरजोर प्रयासों के लिए प्रेरित किया है। इसलिए अब भारतीय-अमेरिकी केवल सांसद बनकर अमेरिकी सत्ता में हिस्सेदारी हासिल करने की कोशिश नहीं कर रहे हैं, बल्कि तीन नवंबर को होने वाले मध्यावधि चुनाव में अपने मुद्दों के प्रति सहानुभूति रखने वाले अन्य उम्मीदवारों का भी समर्थन कर रहे हैं।

भारतीय-अमेरिकी समुदाय के नेताओं ने कहा कि कैलिफोर्निया और टेक्सास जैसे राज्यों में मजबूत मौजूदगी के बावजूद समुदाय के भीतर की प्रतिस्पर्धा के कारण निर्वाचित पदों



पर भारतीय प्रवासी समुदाय का प्रतिनिधित्व कम रहा है। प्रवासी समुदाय के एक नेता ने कहा, ऐसे मौके आए हैं जब कई भारतीय-अमेरिकी एक-दूसरे के खिलाफ चुनाव लड़े हैं। इससे समुदाय के उम्मीदवारों की कम संख्या में जीत हुई।

उन्होंने राजनीतिक रूप से प्रासंगिक बने रहने के लिए एकजुटता पर जोर

दिया। कार्यक्रम पूरा कर रही अमेरिकी प्रतिनिधि सभा में भारतीय मूल के छह सदस्य हैं, लेकिन यह संख्या घटकर चार रह सकती है। इलिनोइस से राजा कृष्णमूर्ति और मिशिगन से श्री थापेनदर प्राइमरी चुनाव में जीत हासिल नहीं कर सके।

भारतीय-अमेरिकी सांसद रो खन्ना (कैलिफोर्निया-17), प्रमिला जयपाल

(वाशिंगटन-7), एमी बेरा (कैलिफोर्निया-3) और सुहास सुब्रमण्यम (वर्जीनिया-10) फिर से चुनाव लड़ रहे हैं। रिपब्लिकन विवेक रामास्वामी ओहायो के गवर्नर पद के चुनाव में मैदान में हैं। अमेरिका में राष्ट्रपति के चार साल के कार्यकाल के बीच में होने वाले मध्यावधि चुनाव में कांग्रेस के निचले सदन प्रतिनिधि सभा के सभी 435 सदस्यों और ऊपरी सदन सीनेट के 100 सदस्यों में से करीब एक-तिहाई का चुनाव होता है। इन चुनावों में कई राज्यों के गवर्नर व विधानसभाओं के साथ कुछ शहरों के मेयर और अन्य स्थानीय अधिकारियों के चुनाव भी शामिल होते हैं। नतीजे तय करते हैं कि कांग्रेस पर किस दल का नियंत्रण होगा और राष्ट्रपति की विधेयक पारित कराने की क्षमता पर भी उनका असर पड़ सकता है।

खेल

भारत-वेस्टइंडीज के बीच आज खेला जाएगा चौथा टी20 अंतरराष्ट्रीय

हैदराबाद (एजेंसी)। यहां हैदराबाद के राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में बुधवार को भारत और वेस्टइंडीज के बीच चौथा टी20 क्रिकेट मैच खेला जाएगा। इस मैच में दोनों ही टीमों जीत के लिए पूरी ताकत लगा देंगी। भारतीय टीम अभी सीरीज में 2-1 से बढ़त पर है ऐसे में उसका लक्ष्य इस मैच को जीतकर सीरीज अपने नाम करना रहेगा। वहीं मेहमान टीम वेस्टइंडीज भी इसे जीतकर वापसी करना चाहेंगी। भारतीय टीम ने लखनऊ में खेले गए पहले टी20 में जीत दर्ज की थी जबकि रांची में खेले गए दूसरे मैच में वेस्टइंडीज ने जीत दर्ज की थी। उस मैच में वेस्टइंडीज टीम ने 250 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए जीत हासिल की। वहीं तीसरे टी20 में भारतीय टीम ने 14 रनों से जीत हासिल की। अब चौथा टी20 हैदराबाद के राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम में खेला जाएगा।

गौरतलब है कि राजीव गांधी स्टेडियम की पिच बल्लेबाजों के अनुकूल रहती है। पिच सपाट है, जहां गेंद बल्ले पर अच्छे से आती है। ऐसे में चौथा टी20 भी बड़े स्कोर वाला होने के संकेत हैं। यहां पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम को चाहिए कि 210-220 रन बनाए जाए। वहीं अगर रिकार्ड की बात करें तो इस स्टेडियम में भारतीय टीम का पलड़ा भारी रहा है। यहां कुल 3 टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैच खेले गए हैं। इसमें भारतीय टीम ने तीनों में जीत दर्ज की है। ऐसे में इस बार भी भारतीय टीम का पलड़ा भारी नजर आता है। दोनों टीमों के बीच टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में रिकॉर्ड भी काफी दिलचस्प रहा है, जिसमें भी टीम इंडिया का पलड़ा भारी नजर आता है। भारत और वेस्टइंडीज के बीच इस फॉर्मेट में अब तक कुल 35 बार पिंडट हुई है। इन 35



मुकाबलों में से 22 में भारतीय टीम ने जीत दर्ज की है, जो उनकी श्रेष्ठा का दर्शाता है। वहीं, वेस्टइंडीज की टीम ने 11 मैचों में जीत हासिल की है, जबकि एक मैच का कोई परिणाम नहीं निकला था। यह आंकड़े बताते हैं कि भारतीय टीम

टीम इस प्रकार है

भारतीय टीम- श्रेयस अय्यर (कप्तान), विलक वर्मा (उपकप्तान), अभिषेक शर्मा, वैभव सूर्यवंशी, ईशान किशन (विकेटकीपर), संजू सैमसन (विकेटकीपर), शिवम दुबे, कुलदीप यादव, अश्वर पटेल, रवि बिश्नोई, नीतीश कुमार रेड्डी, अर्शदीप सिंह, प्रिंस यादव, मयंक यादव और नमन धीर

वेस्टइंडीज टीम- शाई होप (कप्तान, विकेटकीपर), ज्वेल एंड्रयू (विकेटकीपर), आमीर जांगू (विकेटकीपर), रोस्टन चेज, मैथ्यू फोर्ड, शिमरन हेतमाथर, अकील हुसैन, शमरन जोसेफ, गुडकेश मोती, कीमो पॉल, कामिल पून, रोवमैन पॉवेल, शफेन रदरफोर्ड, क्रेटोन सैम्पसन, रोमारियो शेफर्ड और शमर सिंगर

शुभमन सबसे अधिक पांच बार प्लेयर ऑफ द मंथ जीतने वाले भारतीय बने



दुबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट के टेस्ट और एकदिवसीय कप्तान शुभमन गिल ने को पांचवीं बार महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का अवार्ड मिला है। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट कार्डिसल (आईसीसी) ने मंगलवार, 13 अक्टूबर को उन्हें इस प्रतिष्ठित सम्मान से नवाजा, जिसके साथ वह इस अवार्ड को सबसे ज्यादा बार जीतने वाले भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं।

शुभमन की यह उपलब्धि भारतीय क्रिकेटरों के बीच उन्हें एक अलग ही मुकाम पर स्थापित करती है। जहां वह अकेले पांच खिलाव के साथ शीर्ष पर काबिज हैं, वहीं दूसरे स्थान पर संयुक्त रूप से जसप्रीत बुमराह और श्रेयस अय्यर दो-दो खिलाव के साथ मौजूद हैं। वहीं हैरानी की बात है कि दुनिया के

सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में शामिल विराट कोहली ने यह सम्मान सिर्फ एक बार ही हासिल किया है। कोहली के अलावा, ऋषभ पंत, रविचंद्रन अश्विन, भुवनेश्वर कुमार, यशस्वी जयसवाल, मोहम्मद सिराज, अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन जैसे भारतीय खिलाड़ियों ने भी एक-एक बार इस प्रतिष्ठित खिताब को अपने नाम किया है।

शुभमन गिल के पांच प्लेयर ऑफ द मंथ खिताबों में जनवरी 2023, सितंबर 2023, फरवरी 2025, जुलाई 2025 और सितंबर 2026 के अवार्ड शामिल हैं, जो उनकी अद्भुत निरंतरता और भविष्य की क्रिकेट में उनके संभावित दबदबे की ओर इशारा करते हैं।

अल्कराज की हार के बाद ज्वेरेव ने रचा इतिहास, पहली बार ATP Year End नंबर-1 रैंकिंग हासिल की



शंघाई। जर्मनी के स्टार टेनिस खिलाड़ी अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने 2026 में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने पहली बार ATP Year-End नंबर-1 रैंकिंग हासिल करना सुनिश्चित किया। स्पेन के कार्लोस अल्कराज को शंघाई मास्टर्स में मिली चौकाने वाली हार के बाद ज्वेरेव का साल का शीर्ष रैंकिंग वाला खिलाड़ी बनना तय होगा। वह यह उपलब्धि हासिल करने वाले पहले जर्मन खिलाड़ी बनेंगे।

29 वर्षीय अलेक्जेंडर ज्वेरेव के लिए यह उपलब्धि उनके शानदार 2026 सीजन में एक और बड़ी कामयाबी है। साल के अंत की ATP रैंकिंग की तारीख 23 नवंबर 2026 को उनकी उम्र 29 साल और 217 दिन होगी। इस तरह वह पहली बार वर्ष के नंबर-1 खिलाड़ी बनेने वाले सबसे उम्रदराज टेनिस खिलाड़ी भी बन जाएंगे।

ज्वेरेव पहली बार साल के नंबर-1 खिलाड़ी बनने के मामले में अमेरिका के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी आंद्रे अगुसी से तीन दिन बड़े होंगे। अगुसी ने 1999 में 29 साल और 214 दिन की उम्र में यह उपलब्धि हासिल की थी। ज्वेरेव की यह कामयाबी उन्हें इतिहास में एक खास स्थान दिलाएगी।

डायमंड लीग 2027 : 7 मई से दोहा में होगा आगाज, ज्यूरिख में खेला जाएगा फाइनल



दोहा। 2027 डायमंड लीग सीजन की शुरुआत 7 मई को कतर की राजधानी दोहा में होगी। विश्व एथलेटिक्स की इस प्रतिष्ठित ट्रैक एंड फील्ड सीरीज का 18वां संस्करण लॉस एंजिल्स ओलंपिक 2028 से लगभग एक साल पहले आयोजित किया जाएगा। दुनिया के शीर्ष एथलीट इस सीजन में अपनी प्रतिभा दिखाने के साथ डायमंड लीग ट्रॉफी जीतने के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे। 2027 डायमंड लीग का पहला मुकाबला 7 मई को दोहा में आयोजित होगा। इसके बाद सीरीज एशिया के अन्य शहरों की ओर बढ़ेगी, जहां शंघाई/कैंकियाओ और शियामेन में प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। शुरुआती मुकाबलों में एथलीटों को नए सीजन में अपनी लय और फॉर्म साबित करने का मौका मिलेगा। डायमंड लीग का रोमांच 3 जुलाई को अमेरिका पहुंचेगा, जहां यूजीन, ओरेगन में प्रतिष्ठित प्रीफ़ॉर्न्टेन क्लासिक आयोजित होगा। यह मुकाबला सीजन के अहम पड़ावों में से एक होगा। इसके बाद सीरीज एक बार फिर यूरोप लौटेगी, जहां कई महत्वपूर्ण प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। अमेरिका में मुकाबले के बाद डायमंड लीग का आयोजन मोनाको, लुसार्न, लंदन, सिलेसिया और ब्रुसेल्स में होगा। इन प्रतियोगिताओं में एथलीटों के पास अंक जुटाकर फाइनल के लिए अपनी स्थिति मजबूत करने का मौका रहेगा। सीजन के दौरान लगातार अच्छा प्रदर्शन करना खिताबी मुकाबले तक पहुंचने के लिए अहम होगा। 2027 डायमंड लीग का फाइनल 25 और 26 अगस्त को स्विट्जरलैंड के ज्यूरिख में आयोजित किया जाएगा। दो दिनों तक चलने वाले इस मुकाबले में सीजन के शीर्ष एथलीट डायमंड लीग ट्रॉफी के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे। फाइनल के साथ ही इस प्रतिष्ठित सीरीज के विजेताओं का फैसला होगा। डायमंड लीग का फाइनल बीजिंग में 10 से 19 सितंबर तक होने वाली 2027 विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप से कुछ सप्ताह पहले आयोजित किया जाएगा। ऐसे में एथलीटों के लिए यह सीजन बड़े अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों की तैयारी का महत्वपूर्ण अवसर होगा। लॉस एंजिल्स ओलंपिक 2028 से पहले भी यह सीरीज खिलाड़ियों का प्रदर्शन पर नजर रखने का अहम मंच बनेगी।

रियाद में मिसाइल हमले के कारण मैच में आई बाधा, रोनाल्डो की अल नासर जीती

रियाद। सऊदी अरब की राजधानी रियाद में मिसाइल हमले के कारण अल नासर और नपतवी फरगाना के बीच होने वाला एशियन चैंपियन लीग फुटबॉल मैच एक घंटे की देरी से शुरू हुआ। इस मैच में स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो भी खेल रहे थे। यमन के एंथ्री विद्रोहियों द्वारा दानो गए इस मिसाइल हमले के कारण मैच में बाधा आई। सऊदी रक्षा बलों की त्वरित कार्रवाई से मिसाइल का सफलतापूर्वक हवा में ही नष्ट कर दिया गया, जिससे बड़ी अनहोनी टल गई और मैच आखिरकार खेला जा सका। इस मुकाबले में अल नासर ने 3-1 से शानदार जीत दर्ज की, जिसमें स्वयं क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने भी एक गोल दागकर अपनी टीम की जीत में अहम योगदान दिया। स्थानीय समयानुसार अल-अखल पार्क में रात 9-15 बजे शुरू होने वाले इस मैच से ठीक पहले, रियाद में धमाकों की तेज आवाजें सुनाई दीं, जिसने स्टेडियम में मौजूद हजारों दर्शकों और खिलाड़ियों को चिंता में डाल दिया। इस दौरान, लोगों के मोबाइल फोन पर हवाई हमले के खतरे का अलर्ट जारी किया गया, जिसमें उन्हें शांत रहने, अपने घरों में रहने या सुरक्षित स्थानों पर जाने, नागरिक सुरक्षा निर्देशों का पालन करने और खंडीकियों व दरवाजों से दूर रहने की सलाह दी गई। इस अप्रत्याशित और तनावपूर्ण स्थिति के कारण मैच को तुरंत रोक दिया गया।

C
M
Y
K

गंभीर टीम में जरूरत से अधिक बदलाव कर रहे : वॉटसन

मुम्बई (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व ऑलराउंडर सैन वॉटसन ने कहा है कि भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर जिस प्रकार से टीम में लगातार बदलाव कर रहे हैं। वह सही नहीं है। वॉटसन के अनुसार हद से ज्यादा बदलाव होने से खिलाड़ी अपनी भूमिका ठीक से समझ नहीं पाते हैं इससे एक बार फिर गंभीर के कामकाज के तरीके पर सवाल उठे हैं। वॉटसन के अनुसार कि इसी कारण भारतीय टीम के प्रदर्शन में निरंतरता की कमी नजर आती है। उन्होंने कहा कि इसका सबसे बड़ कारण बल्लेबाजी क्रम के साथ ही खिलाड़ियों में बार-बार बदलाव किया जाना है। इस पूर्व ऑलराउंडर ने बल्लेबाज माना है कि कुछ उभरते खिलाड़ियों का समर्थन करने से लाभ भी मिलता है। इन खिलाड़ियों ने बेहतर परिणाम दिये हैं।



इस साल जुलाई में आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज में भी भारतीय टीम हारी है। वॉटसन ने कहा कि टीम में लगातार बदलाव होने से खिलाड़ियों के लिए अपनी भूमिका समझना और एक-दूसरे के साथ तालमेल बनाना कठिन होता है। साथ ही कहा कि जब बल्लेबाजी क्रम में बार-बार बदलाव होता है और खिलाड़ी लगातार टीम में आते-जाते रहते हैं, तो टीम का प्रदर्शन भी प्रभावित होता है। वॉटसन के अनुसार भारतीय टीम के हालिया उतार-चढ़ाव के पीछे भी यही कारण है। वॉटसन ने गंभीर के काम की सराहना भी की है। उन्होंने कहा कि भारतीय टीम में गंभीर ने कई अच्छे चीजें भी जोड़ी हैं। खिलाड़ियों पर भरोसा जताना उनकी सकारात्मक रणनीतियों में से एक है। वॉटसन के अनुसार, गंभीर ने विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन का लगातार समर्थन किया और सैमसन ने टी20 विश्व कप के अहम मुकाबलों में शानदार प्रदर्शन करके इस भरोसे को सही साबित किया। इससे पता चलता है कि खिलाड़ियों को अवसर देना और उन पर भरोसा बनाए रखना टीम के लिए लाभकारी हो सकता है।

धोनी का आईपीएल में खेलना उन्हीं पर निर्भर :काशी



चेन्नई। आईपीएल फ्रेंचाइजी चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के सीईओ काशी विश्वनाथन ने कहा है कि टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी में अभी भी काफी क्रिकेट बाकी है। उन्होंने संकेत दिया है कि धोनी 2027 में टीम के लिए एक बार फिर उतर सकते हैं। धोनी को आईपीएल 2026 में चोटिल होने के कारण एक भी मैच नहीं खेलने की वजह से लीग से बाहर रहना पड़ा था, जिससे उनके भविष्य को लेकर अटकलें तेज हो गई थी। इसी की लेकर काशी ने साफ किया कि धोनी का खेलना पूरी तरह से उन्हीं के फैसले पर निर्भर करेगा। साथ ही कहा कि फ्रेंचाइजी प्रबंधन ने यह फैसला पूरी तरह से उन पर छोड़ दिया है। विश्वनाथन ने कहा, यह एक ऐसा सवाल है जो आपको उनसे पूछना चाहिए। मुझे भी उनसे पूछना होगा। जब वह चेन्नई आते हैं तो वह हमें अपने फैसले के बारे में बताते हैं। उन्होंने आगे कहा, मुझे लगता है कि उनके सीएसके के लिए खेलेते रहने के अवसर हैं। गौरतलब है कि 45 साल के हो चुके धोनी की अनुपस्थिति ने उनके आगामी आईपीएल सीजन में खेलने पर लगातार सवाल खड़े किए हैं। हालांकि, टीम के पूर्व खिलाड़ी और भारतीय क्रिकेट के दिग्गज सुरेश रैना ने धोनी को एक और आईपीएल सीजन के लिए वापसी करने के देखने की अपनी प्रबल इच्छा व्यक्त की है। रैना ने बताया कि उन्होंने व्यक्तिगत रूप से धोनी से आईपीएल 2027 के लिए वापसी करने की गुजारिश की थी। रैना ने कहा, मैं उनसे कहा कि आपने आईपीएल 2026 में भाग लिया है। इसे फिर से करने की जरूरत नहीं है। आपको अगले साल वापस आना होगा। रैना का मानना है कि धोनी ने वापसी के दरवाजे पूरी तरह से बंद नहीं किए हैं। यह उनका निजी फैसला होगा, लेकिन रैना को लगता है कि धोनी सकारात्मक हैं और वापसी के लिए कड़ी मेहनत करेंगे। उन्होंने कहा, टीम भी फिर से अच्छी तरह से घुल-मिल रही है। फैसल भी चाहते हैं कि वह आए।

शमी ने रणजी में शानदार प्रदर्शन के बाद चयनकर्ताओं पर भी निशाना साधा

मुम्बई (एजेंसी)। बंगाल की ओर से खेलते हुए अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने दिव्खे के खिलाफ रणजी ट्रॉफी मुकाबले में शानदार प्रदर्शन के बाद चयनकर्ताओं पर निशाना साधा है। शमी ने न केवल अपनी याफक गेंदबाजी से बल्लेबाजों को परेशान किया, बल्कि अपनी फिटनेस और टीम इंडिया में वापसी को लेकर दिए गए बयानों से भी सुर्खियां बटोरीं, जिनमें इशारा-इशारा में चयनकर्ताओं पर भी तंज कसा। दिव्खे के खिलाफ मुकाबले में, शमी ने अपनी पुरानी लय में लौटते हुए 17.3 ओवर में सिर्फ 30 रन देकर 4 महत्वपूर्ण विकेट झटकें। इस दौरान उन्होंने 9 मेडन ओवर भी फेंके, जिससे दिव्खे की पूरी टीम महज 240 रनों पर सिमट गई। शमी की यह थाय्रदर गेंदबाजी उनकी फिटनेस और फॉर्म का स्पष्ट प्रमाण था, जिससे



उनके अनुभव और कौशल की झलक साफ दिखाई दी।

दिन का खेल समाप्त होने के बाद जब शमी से उनकी फिटनेस को लेकर सवाल किया, तो उन्होंने

जवाब दिया। शमी ने कहा, 'आप मेरी फिटनेस देख रहे हैं, लिख दीजिए। आप मुझे देख रहे हैं, मेरे कहने से क्या होगा? मैं मैदान पर हूँ, खेल रहा हूँ और जहां भी मौका मिल रहा है, वहां खेल रहा हूँ।' उनके इस जवाब से साफ था कि वह अपनी बातों से नहीं, बल्कि मैदान पर अपने प्रदर्शन से अपनी फिटनेस साबित करना चाहते हैं। फिटनेस के अलावा, शमी से यह भी पूछा गया कि घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन करने के बावजूद उन्हें भारतीय टीम में क्यों नजरअंदाज किया जा रहा है। इसके जवाब में शमी ने चयनकर्ताओं पर तंज कसते हुए कहा, 'मैं अच्छा गेंदबाज नहीं हूँ। शायद ये वजह रही होगी।' शमी के इस कटख्त बयान से उनकी निराशा और टीम में नहीं चुने जाने की पीड़ा साफ झलक रही थी। यह बयान स्पष्ट रूप से उन

चयनकर्ताओं को संबोधित था जो उनके शानदार घरेलू प्रदर्शन के बावजूद उन्हें नजरअंदाज कर रहे हैं। वहीं शमी ने चार साल बाद टीम इंडिया में वापसी करने वाले तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार के लिए भी खुशी जाहिर की। शमी ने भुवनेश्वर को लेकर कहा, 'धुवी की पहले ही वापसी हो जानी चाहिए थी। दिव्खत ये है कि वह ज्यादा किसी से बात नहीं करता है, लेकिन इसका मतलब ये नहीं कि उनकी प्रतिभा अछूत है। उन्होंने आईपीएल में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है और वह इसके हकदार हैं।' शमी का यह बयान न केवल साथी खिलाड़ी के प्रति सम्मान दर्शाता है, बल्कि आत्मनिश्चय रूप से यह भी संकेत देता है कि कभी-कभी मुखर न होना भी चयन प्रक्रिया में बाधा बन सकता है।

भारतीय टीम की फील्डिंग को बेहतर बनाने काम करने के तरीके में बदलाव लाना होगा :श्रीधर

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व फील्डिंग कोच आर. श्रीधर का मानना है कि टीम की फील्डिंग को और बेहतर बनाने के लिए खिलाड़ियों की तैयारी के साथ ही उनके काम करने के तरीके में बदलाव लाना होगा। उन्होंने कहा कि जहां भारतीय टीम ने बल्लेबाजी और गेंदबाजी में शीर्ष स्तर हासिल किया है। वहीं फील्डिंग के क्षेत्र में वह अभी भी उस स्तर पर नहीं पहुंची है जैसी उससे अपेक्षा है। श्रीधर ने कहा, फील्डिंग में खिलाड़ियों की जवाबदेही बढ़ाने के साथ ही नियमित और केंद्रित अभ्यास तथा प्रदर्शन के स्पष्ट मानक तय करने होंगे।



प्रार्थमिकता मिलनी चाहिए, क्योंकि एक बेहतरीन कैच या स्टोकिंग रनआउट मैच का रुख बदल सकता है। श्रीधर ने कहा कि हाल के टी20 मुकाबलों के दौरान भारतीय टीम ने कुल 58 कैच छोड़े हैं। टीम की कैच पकड़ने की सफलता दर महज 73.4 प्रतिशत रही है, जो शीर्ष 10 टीमों में दूसरे

सबसे निचले स्थान पर आती है। इन गंभीर गलतियों का टीम पर सीधा असर पड़ें है। जहां भारतीय खिलाड़ियों ने अपनी अच्छे फील्डिंग से 129 रन बचाए, वहीं कैच छोड़ने और मैदान फील्डिंग की गलतियों के कारण 226 अतिरिक्त रन विपक्षी टीम को मिले, जिससे टीम को कुल 97 रनों का नुकसान हुआ। इसके

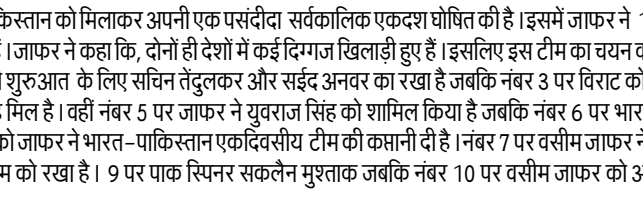
अतिरिक्त, भारतीय खिलाड़ियों ने 19 रनआउट के सुनहरे अवसर गंवाए, जबकि केवल 14 बार ही विपक्षी बल्लेबाजों को रनआउट किया जा सका।

श्रीधर ने घरेलू क्रिकेट व्यवस्था से भी इस दिशा में गंभीरता से काम करने की अपील की, जिससे टीम में शामिल होने वाले नए खिलाड़ियों को बल्लेबाजी और गेंदबाजी के साथ-फील्डिंग में भी मजबूत बनाया जा सके।

न्यूजीलैंड दौरे को भारतीय खिलाड़ियों के लिए एक बड़ी चुनौती बताते हुए श्रीधर ने कहा कि वहां का ठंडा मौसम और तेज हवाएं फील्डिंग पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती हैं। ऐसे में खिलाड़ियों को स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप खुद को जल्द ढालना होगा। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि आधुनिक क्रिकेट में खिलाड़ियों के प्रदर्शन का आकलन गेंद तक पहुंचने की गति, रिवरशन टाइम, कैच पकड़ने की सफलता दर और ग्रे की स्टोकिंग जैसे आंकड़ों के आधार पर किया जाना चाहिए।

जाफर ने अपनी पसंदीदा भारत-पाक अंतिम ग्यारह में 6 भारतीय व 5 पाक खिलाड़ी रखे

मुम्बई। पूर्व क्रिकेटर वसीम जाफर ने भारत-पाकिस्तान को मिलाकर अपनी एक पसंदीदा सर्वकालिक एकदश घोषित की है। इसमें जाफर ने 11 में 6 खिलाड़ी भारत के जबकि 5 खिलाड़ी पाकिस्तान के रखे हैं। जाफर ने कहा कि, दोनों ही देशों में कई दिग्गज खिलाड़ी हुए हैं। इसलिए इस टीम का चयन करना उनके लिए बेहद कठिन रहा है। इस टीम में जाफर ने पारी की शुरुआत के लिए सचिन तेंदुलकर और सईद अनवर का रखा है जबकि नंबर 3 पर विराट कोहली है। जबकि नंबर चार पर पाक के इंजमाम उल हक को जगह मिल है। वहीं नंबर 5 पर जाफर ने युवराज सिंह को शामिल किया है जबकि नंबर 6 पर भारतीय टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी को जगह मिली है। धोनी को जाफर ने भारत-पाकिस्तान एकदिवसीय टीम की कप्तानी दी है। नंबर 7 पर वसीम जाफर ने पाक ऑलराउंडर अब्दुल रज्जाक जबकि नंबर 8 पर वसीम अकरम को रखा है। 9 पर पाक स्पिनर सकलेन मुश्ताक जबकि नंबर 10 पर वसीम जाफर को और नंबर 11 पर जाफर ने अनिल कुंबले को शामिल किया है।



वसीम जाफर की भारत-पाकिस्तान एकदिवसीय अंतिम ग्यारह - सचिन तेंदुलकर- सईद अनवर, विराट कोहली, इंजमाम उल हक, युवराज सिंह, धोनी (कप्तान), अब्दुल रज्जाक, वसीम अकरम, सकलेन मुश्ताक, जसप्रीत बुमराह, अनील कुंबले।



मैं अपने हर किरदार में कुछ एक्स्ट्रा एलिमेंट कुछ नया जोड़ने की कोशिश करती हूँ



अवस्थी परिवार में आपका स्वागत है; जहाँ इमा है, मस्ती है और सबसे बढ़कर एक डायन का राज है! अमेजन स्टूडियोज़ और कलर येलो की फिल्म 'नई नवेली' की कहानी एक जाने-पहचाने भारतीय परिवार की झलक देती है। कहानी में एक आम परिवार की दुनिया बेहद दिलचस्प तरीके से बदल जाती है, और फिर इसमें लार्जर देन लाइफ किरदारों, परिवार में होने वाले मजाक और ढेर सारे दिवस्ट और टर्न के अलावा फैमिली डॉग के भी उस उथल पुथल में शामिल हो जाने की झलक मिलती है। फैमिली, कॉमेडी, फंटेसी, मिस्ट्री और एक्शन को एक साथ मिलाते हुए फिल्म दर्शकों के सामने एक साथ मस्ती, ह्यूमर, इमोशन और बहुत सारे दिलचस्प सरप्राइज लेकर आती है। फिल्म की कहानी भारतीय परिवार के जड़ों से जुड़ी हुई है, और इस तरह से ये दर्शकों को एक ऐसी दुनिया में लेकर जा रही है जिसे उन्होंने कभी नहीं देखा है। हर नई परत के खुलने के साथ नई नवेली फिल्म अपनी तरह की इकलौती लार्जर देन लाइफ बिग स्क्रीन

एडवेंचर बनकर इस दशहरा के मौके पर कुछ अलग देने का वादा करती है। कहानी के केंद्र में नेशनल अवॉर्ड विनर यामी गौतम धर मोहिनी के किरदार के साथ एक बेहद अलग अवतार में नजर आने वाली हैं। जबरदस्त लुक से लेकर बॉडी लैंग्वेज तक, उनकी कॉमिक बिट्स और एक्शन किरदार में सेंस ऑफ सरप्राइज लेकर आ रहे हैं। एक इवेंट में यामी ने अपने रोल के बारे में और उसकी तैयारी करने के प्रोसेस पर बात की कि कैसे उन्होंने मोहिनी को एक पूरी तरह से नई पर्सनालिटी बनाई है। उन्होंने साझा करते हुए कहा, हर रोल अपने साथ एक नए चैलेंज और डिमांड लाता है। जब भी कोई मुझसे किसी रोल की तैयारी के बारे में पूछता है, तब मैं उस याद में चली जाती हूँ, जब मैंने पहली बार उस रोल के बारे में सुना या पढ़ा था। यामी ने कहा, तब आपको एहसास होता है कि मजा तो बहुत आ रहा है, लेकिन आपको बहुत सी चीज़ें भी सीखनी पड़ती हैं, जैसे रिकल्प, एक्शन, और बॉडी लैंग्वेज। यह ऐसा है जैसे आपको अपने सामने एक

पैरेलल पर्सनेलिटी बनानी है और फिर उसे अपनी स्क्रिन की तरह पहनना है, वही इंसान बनना है। आगे बात करते हुए वे कहती हैं, मैं ऐसी स्टूडेंट हूँ जो हमेशा सोचती रहती हूँ कि तैयारी में कहीं कुछ कमी तो नहीं रह गई। मेरा मानना है कि आप जितनी बार स्क्रिप्ट पढ़ते हैं, उतना ही आपको अपने किरदार या कहानी में कुछ नया जोड़ने का मौका मिलता है। फिल्म की नब्ब समझना बहुत जरूरी है। मोहिनी उसी तरह नहीं हसेगी, जैसे मैंने अपनी दूसरी फिल्मों में निभाए किरदारों में हसी है। मैं अपने हर किरदार में कुछ एक्स्ट्रा एलिमेंट, कुछ नया जोड़ने की कोशिश करती हूँ, ताकि ऑडियंस को भी उसे देखने में मजा आए। यामी गौतम धर स्टारर इस फिल्म को बालाजी मोहन ने डायरेक्ट किया है, जबकि इसकी कहानी हिमांशु शर्मा और दिव्य निधि शर्मा ने लिखी है। फिल्म में अड्डिनाथ एम. कोठारे, अनुराग ठाकुर, सुनीता राजवार, मीता वशिष्ठ, आदित्य कुलश्रेष्ठ, सुस्मिता मुखर्जी और प्रतीक पचौरी भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।



हनुमान अंश की सफलता पर ऋचा चड्ढा ने तोड़ी चुप्पी

'हनुमान अंश' को सिनेमाघरों में दो महीने होने वाले हैं। यह फिल्म भारत में 300 करोड़ से ज्यादा और वर्ल्डवाइड 400 करोड़ से ज्यादा का बिजनेस कर चुकी है। अब इसकी सफलता पर एक्ट्रेस ऋचा चड्ढा ने अपनी राय दी है। बॉलीवुड की बेबाक और संजीदा अभिनेत्री ऋचा चड्ढा का मानना है साल 2026 को कंटेंट आधारित सिनेमा के लिए बड़ा साल कहना अभी जल्दबाजी होगी। ये निष्कर्ष निकालना जल्दबाजी होगी कि भारतीय फिल्म इंडस्ट्री में दर्शकों की पसंद में कोई बड़ा बदलाव आया है।

'हनुमान अंश' की सफलता पर ऋचा का बेबाक विश्लेषण

2026 को 'कंटेंट-ड्रिवन सिनेमा' का लैंडमार्क साल कहे जाने पर असहमति जताते हुए ऋचा चड्ढा ने कहा, अगर बात सिर्फ 'हनुमान अंश' के संदर्भ में है, तो वह एक अलग मामला है। इसके अलावा इस साल और क्या चला है? हमारी तुलना हॉलीवुड से नहीं की जा सकती। पौराणिक और धार्मिक फिल्मों भारतीय दर्शकों के बीच हमेशा से सुरक्षित और लोकप्रिय रही हैं। ये फिल्में तो लोग देखते ही हैं। इसलिए यह कहना अभी बहुत जल्दबाजी होगा कि इंडस्ट्री में अचानक कुछ बहुत बेहतरीन होने लगा है। ऋचा का मानना है कि

धार्मिक या पौराणिक विषयों पर बनी फिल्मों का एक स्थापित दर्शक वर्ग है, जो बिना किसी झिझक के थिएटर तक आता है। इसे पूरे सिनेमा उद्योग में आए वैचारिक या रचनात्मक बदलाव के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए।

राइटर्स को मिले बेहतर पैसे, तभी बदलेगा सिनेमा

भारतीय फिल्म उद्योग को वास्तव में कंटेंट-संचालित बनाने के उपाय पर बात करते हुए ऋचा ने सबसे अहम मुद्दे पर ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने कहा कि जब तक पटकथा लेखकों को सही सम्मान और बेहतर पारिश्रमिक नहीं मिलेगा, तब तक बड़े बदलाव की उम्मीद करना बेमानी है। 'हनुमान अंश' का 2 करोड़ के बजट से 423 करोड़ तक का ऐतिहासिक सफर विशाल चतुर्वेदी के निर्देशन में बनी फिल्म 'हनुमान अंश' आध्यात्मिक गुरु नीम करोली बाबा के जीवन और उनकी शिक्षाओं पर आधारित है। बेहद शांत शुरुआत करने वाली इस फिल्म को 'वर्ड ऑफ माउथ' का ऐसा जबरदस्त सहारा मिला कि यह 2026 की सबसे बड़ी सरप्राइज हिट बन गई।



रियलिटी शो 'द ट्रेटर्स तेलुगु' को होस्ट करते नजर आएंगे तेजा सज्जा

तेलुगु सिनेमा के अभिनेता तेजा सज्जा अब एक बिल्कूल नए अंदाज में दर्शकों के सामने आने के लिए तैयार हैं। वह जल्द ही स्ट्रीमिंग रियलिटी शो 'द ट्रेटर्स तेलुगु' को होस्ट करते नजर आएंगे। शो का ट्रेलर मंगलवार को रिलीज किया गया, जिसमें तेजा सज्जा की होस्ट के तौर पर झलक देखने को मिली। शो में अलग-अलग क्षेत्रों से जुड़े 20 सेलिब्रिटीज हिस्सा ले रहे हैं और इनके बीच भरोसे, झूठ, रणनीति और दिमागी खेल का मुकाबला देखने को मिलेगा। 'द ट्रेटर्स तेलुगु' अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मशहूर फॉर्मेट का पहला तेलुगु एडिशन है। शो में चिन्मयी श्रीपादा, हर्ष वर्धन, प्रगति महावादी, श्रीदेवी चौधरी, निखिल विजयेंद्र सिम्हा, विद्या रमन, विष्णु ओई, श्राव्या वर्मा, डॉ. मेघनाथ रेड्डी, मोनीषा चौधरी, स्वीकर अगस्ती, आशिका पादुकोण, वर्षा डी 'सुजा, प्रणव उर्फ अभिनवकवि, एसएस वर्धन, राहत अर्चना, गौरव सुनील, साई रोनक, पुष्पला धनंजय और फल्युनी बागेड़ा नजर आएंगे। शो का हिस्सा बनने और इसे होस्ट करने को लेकर तेजा सज्जा ने कहा, 'मेरे लिए यह बिल्कूल नया अनुभव है। मैं इस तरह के फॉर्मेट का हिस्सा बनने को लेकर काफी उत्साहित हूँ, क्योंकि यह मेरे अब तक के

काम से बिल्कूल अलग है। मुझे ऐसे फॉर्मेट वाले तेलुगु एडिशन का हिस्सा बनने का मौका पहली बार मिला है, जो दुनियाभर में काफी लोकप्रिय हो चुका है।' तेजा ने कहा, 'तेलुगु एंटरटेनमेंट के लिए यह एक बड़ा मौका है। शो सिर्फ एक लोकप्रिय इंटरनेशनल फॉर्मेट को तेलुगु दर्शकों के सामने नहीं ला रहा, बल्कि इसे स्थानीय दर्शकों के हिसाब से अपनी अलग पहचान और अंदाज भी दिया गया है। बतौर होस्ट भी मेरे लिए यह खेल उतना ही अनपेक्षित है, जितना इसमें हिस्सा लेने वाले कंटेस्टेंट्स के लिए।' तेजा ने आगे कहा, 'शो में कंटेस्टेंट्स के बीच झूठ, माइंड गेम्स, अचानक बनने वाले गठजोड़ और लगातार एक-दूसरे पर शक करने का सिलसिला देखने को मिलेगा। हर कदम पर गेम बदल सकता है और किसी भी कंटेस्टेंट को यह भरोसा नहीं रहेगा कि सामने वाला वास्तव में उसके साथ है या उसके खिलाफ। अब मुझे इस बात का इंतजार है कि दर्शक इसमें शामिल कंटेस्टेंट्स से जुड़े और गेम के आगे बढ़ने के साथ खुद भी अंदाजा लगाते रहें कि आखिर कौन किसके साथ है।' 'द ट्रेटर्स तेलुगु' जल्द ही प्रीमियर पर स्ट्रीम होने वाला है।



आईटी सर्व में नाम आने पर रकुल प्रीत सिंह ने दी सफाई

अभिनेत्री रकुलप्रीत सिंह ने इनकम टैक्स छापा से अपना नाम जुड़ने की खबरों पर रिप्लेट किया। अभिनेत्री ने इस मामले पर सफाई देते हुए कहा कि उनका इस मामले से कोई लेना-देना नहीं है। दरअसल, 28 सितंबर को आयकर विभाग ने अभिनेत्री रकुलप्रीत सिंह और फिल्म निर्माता वासु भगनानी से जुड़े 12 ठिकानों पर छापेमारी की है। 28 सितंबर 2026 को मुंबई में आयकर विभाग ने रकुलप्रीत सिंह, वासु भगनानी और पैनोरमा स्टूडियोज के परिसरों की तलाशी ली थी। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक नोट पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने मीडिया द्वारा गलत अफवाहों को फैलाने पर अफसोस जताया। उन्होंने लिखा, 'यह देखकर बहुत दुख होता है कि आजकल कुछ खुद को रिपोर्टर कहने वाले लोग और कुछ बड़े मीडिया पत्रकार बिना सच्चाई जाने खबरों को बढ़ा-चढ़ाकर दिखा रहे हैं। इसलिए, मैं एक बार फिर सब कुछ साफ कर देती हूँ।' उन्होंने आगे लिखा, 'अभी हाल ही में हमारे घर में जो तलाशी हुई है, उससे मेरा कोई लेना-देना नहीं है। इस बात हर कोई वाकफ है कि मैं एक फौजी परिवार से ताल्लुक रखती हूँ और इंडस्ट्री में मेरा कोई गॉडफादर नहीं था। मैं अपनी कड़ी मेहनत से यहां तक पहुंची हूँ और 20 साल की उम्र से एक जिम्मेदार नागरिक की तरह अपना पूरा टैक्स भी भरती आ रही हूँ।' अभिनेत्री ने साफ किया कि उनका नाम किसी भी गैरकानूनी कामों से जुड़ा नहीं है। उन्होंने लिखा, 'मैं किसी भी तरह के गैरकानूनी विदेशी लेनदेन में शामिल नहीं हूँ, न तो खुद के लिए और न ही किसी प्रोडक्शन हाउस के लिए। मैं यह भी साफ कर दूँ कि मेरे नाम पर देश या विदेश में कहीं भी गैरकानूनी प्रॉपर्टी नहीं है। न ही कभी किसी ने मुझे प्रॉपर्टी गिफ्ट की और न ही मैं इस तरह से तोहफे स्वीकार करती हूँ।' अभिनेत्री ने अफवाह फैलाने वाले मीडिया संस्थानों से अपील की कि वे इस तरह की खबरें न फैलाएं। उन्होंने लिखा, 'जिन्होंने मेरे खिलाफ मनगढ़ंत खबरें छपी हैं। मैं उनसे उस खबर को वापस लेने की अपील करती हूँ, साथ ही सच्चाई बताने के लिए कहती हूँ। मैं समझती हूँ कि मीडिया पर भी अपना बिजनेस चलाने का दबाव होता है लेकिन यह दबाव सच्चाई की कीमत पर नहीं होना चाहिए और बिल्कूल भी किसी की इज्जत और रोजी-रोटी की कीमत पर तो नहीं होना चाहिए।'



शाहरुख की फिल्म में करीना की भी हुई एंट्री

अभिनेता शाहरुख खान की फिल्म 'किंग' का इंतजार फैस को बेसब्री से है। मगर इस फिल्म का गाना 'डैडी कूल' और भी ज्यादा खास होने वाला है। खबर है कि इस गाने में बादशाह के साथ करीना कपूर भी दिखाई देंगी।

'डैडी कूल' में क्या है खास

शाहरुख खान और करीना कपूर खान आगामी एक्शन फिल्म 'किंग' के एक महत्वपूर्ण गाने में एक बार फिर साथ नजर आने वाले हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार करीना ने 'डैडी कूल' नामक इस गाने में विशेष भूमिका निभाने के लिए हमी भरी है, जिसकी शूटिंग इस महीने के अंत में दक्षिण अफ्रीका में एक भव्य तरीके से होगी।



पहले भी साथ काम कर चुके शाहरुख-करीना

फिल्म 'किंग' का गाना डैडी कूल ऐसा पहला प्रोजेक्ट नहीं है, जिसके लिए शाहरुख और करीना साथ काम कर रहे हैं। इससे पहले करीना और शाहरुख 'अशोका', 'कभी खुशी कभी गम' और 'रावन' जैसी बड़ी फिल्मों में एक साथ काम कर चुके हैं। इसके अलावा करीना शाहरुख की कई फिल्मों में कैमियो या स्पेशल गाना भी कर चुकी हैं। कविला की रिपोर्ट्स के मुताबिक 'डैडी कूल' को इस एक्शन फिल्म के मुख्य गानों में से एक के रूप में प्रस्तुत किया जाना है। प्रोडक्शन शेड्यूल के अनुसार, करीना को दक्षिण अफ्रीका में शूटिंग के लिए लगभग पांच दिन दिए गए हैं। क्रॉस-कल्चरल देखने को मिलेगा रिपोर्ट्स के मुताबिक इन दो बॉलीवुड सितारों को एक साथ लाने के अलावा, इस सीक्वेंस में एक बड़ा क्रॉस-कल्चरल सहयोग भी देखने को मिलेगा। इस गाने में एक भारतीय कलाकार एक अंतरराष्ट्रीय कलाकार के साथ नजर आएंगे।



घेलवाड पंचायत में शिक्षा के लिए पंचायत की अनोखी मुहिम: सरपंच हिताक्षी पटेल के नेतृत्व में अभिभावकों को किया गया जागरूक

■ घेलवाड ग्राम पंचायत क्षेत्र की चालीस और रूमों में रहने वाले परंपरागत लोगों के बच्चे शिक्षा से वंचित न रह जायें इसलिए पंचायत ने बच्चों को स्कूल तक लाने का उठाया जिम्मा: हिताक्षी पटेल ■ सरपंच हिताक्षी पटेल, जिला पंचायत सदस्य अशोक पटेल एवं दाभेल सरकारी स्कूल के शिक्षकों ने चीकूवाडी विस्तार में घर-घर जाकर अभिभावकों से की रूबरू बातचीत



असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 13 अक्टूबर। भारत सरकार द्वारा देश के 100 प्रतिशत बच्चों को शिक्षा मिले इसी उद्देश्य से कई योजनाएं चलाई जा रही हैं। इसी के तहत घेलवाड ग्राम पंचायत ने सरपंच हिताक्षी पटेल के नेतृत्व में प्रधानमंत्री सेवा संकल्प अभियान के तहत एक अनोखी मुहिम चलाया। जिसके तहत पंचायत विस्तार के सभी बच्चों को शिक्षा दिलाने के लिए अभिभावकों को जागरूक किया गया। सरपंच हिताक्षी पटेल, जिला पंचायत सदस्य अशोक पटेल एवं दाभेल सरकारी स्कूल के शिक्षकों ने घेलवाड पंचायत विस्तार के चीकूवाडी क्षेत्र में घर-घर जाकर अभिभावकों से मुलाकात की और शिक्षा से वंचित बच्चों को तुरंत स्कूल भेजने के लिए जागरूक किया। इस दौरान टीन ने स्कूल न जाने वाले बच्चों के अभिभावकों को शिक्षा का महत्व समझाया और उनसे अपील की कि वे उनके अच्छे भविष्य के लिए उन्हें तुरंत स्कूल वापस भेजें। इसके अलावा ग्राम पंचायत ने बच्चों के स्कूल एडमिशन के लिए जरूरी बर्थ सर्टिफिकेट और आधार कार्ड जैसे डॉक्यूमेंट्स दिलाने में पूरा सहयोग देने का भरोसा दिया है, ताकि घेलवाड पंचायत क्षेत्र का एक भी बच्चा शिक्षा के अधिकार से वंचित न रह सके। घेलवाड ग्राम पंचायत सरपंच हिताक्षी पटेल ने कहा कि घेलवाड एक औद्योगिक विस्तार है जिसके चलते यहां चालीसों और रूमों में बड़ी संख्या में परंपरागत लोग रहते हैं। उनके बच्चे शिक्षा से वंचित न रह जायें इसके लिए पंचायत में एक अनोखी मुहिम चलाई है। जिसके माध्यम से शिक्षा से वंचित बच्चों को वापस स्कूल लाने की पंचायत द्वारा कोशिश की जा रही है। इसी के तहत आज हमने शिक्षकों के साथ घर-घर जाकर अभिभावकों से मुलाकात की और उनके बच्चों को स्कूल वापस भेजने के लिए जागरूक किया। साथ ही स्कूल में प्रवेश दिलाने के लिए सहयोग करने का भरोसा भी पंचायत की ओर से दिया गया।

दीव पुलिस ने नशा मुक्त भारत और साइबर सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम का किया आयोजन



असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव 13 अक्टूबर। दीव पुलिस विभाग द्वारा 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक सामूहिक कार्रवाई से दृश्यमान प्रभाव की थीम के साथ चल रहे सेवा संकल्प अभियान के तहत आज सरकारी हायर सेकेंडरी स्कूल, साउदवाडी, वणकबाड़ा में नशा मुक्त भारत और साइबर सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह अभियान दीव के पुलिस अधीक्षक रामकृष्ण सरन के मार्गदर्शन में चलाया गया। नशा मुक्त भारत अभियान के तहत दीव पुलिस ने छात्रों के बीच नशीली दवाओं के उपयोग के लिए प्रोत्साहित किया गया। साइबर सुरक्षा के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए एक कार्यक्रम आयोजित किया। छात्रों को स्वास्थ्य, शिक्षा और भविष्य के लक्ष्यों पर नशीली दवाओं के हानिकारक प्रभावों के बारे में जानकारी दी गई। उन्हें नशे को ना, जीवन को हाँ कहने, साथियों के दबाव से बचने, स्वस्थ आदतें अपनाने, पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करने और लत से जुड़ी समस्याओं का सामना करने पर माता-पिता, शिक्षकों या पेशेवरों से मदद लेने के लिए प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम में साइबर अपराध के बारे में भी जागरूकता फैलाई गई, जिसमें डिजिटल अरेस्ट स्कैम, हानिकारक एपों के फाइलें, ऑनलाइन शॉपिंग धोखाधड़ी, गेमिंग धोखाधड़ी, फर्जी नौकरी के ऑफर और साइबर बुलिंग जैसे विषय शामिल थे। छात्रों को सलाह दी गई कि वे ओटीपी, पासवर्ड या यूपीआई पिन साझा न करें, अनजान एप्लिकेशन इंस्टॉल न करें या संदिग्ध लिंक पर क्लिक न करें। छात्रों को बताया गया कि साइबर वित्तीय धोखाधड़ी की सूचना तुरंत 1930 नंबर पर या www.cybercrime.gov.in पर दी जानी चाहिए। दीव पुलिस ने छात्रों से स्वस्थ विकल्प चुनने, नशीली दवाओं से दूर रहने, इंटरनेट का जिम्मेदारी से उपयोग करने और एक सुरक्षित, स्वस्थ और नशा मुक्त समाज के निर्माण में योगदान करने की अपील की।

वापी की श्री एल.जी. हरिया मल्टीपर्सन स्कूल ने हासिल की शानदार सफलता



असली आजादी न्यूज नेटवर्क, वापी 13 अक्टूबर। वापी की प्रतिष्ठित शिक्षण संस्था श्री एल.जी. हरिया मल्टीपर्सन स्कूल के विद्यार्थियों ने एक बार फिर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए विद्यालय और वापी शहर का नाम रोशन किया है। सिलवासा लायंस स्कूल द्वारा 12 अक्टूबर 2026 को आयोजित इंटर स्कूल हिंदी प्रतिभा मंच प्रतियोगिता में विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने विभिन्न स्पर्धाओं में ऐतिहासिक सफलता हासिल की। इस स्पर्धा के अंतर्गत आयोजित वाद-विवाद (डिबेट) प्रतियोगिता में कक्षा-9वीं के छात्र अविश गायकवाड़ ने अगेन्स्ट द मोशन में अपने उत्कृष्ट और तर्कपूर्ण विचारों को प्रस्तुत करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसी स्पर्धा में फोर द मोशन में अपनी वाक्पटुता का प्रदर्शन करते हुए कक्षा-9वीं की छात्रा आराध्या तिवारी ने सात्वता पुरस्कार अपने नाम किया। विद्यालय के अन्य विद्यार्थियों ने भी अपनी असाधारण प्रतिभा से सभी को प्रभावित किया। वक्तृत्व यानि की भाषण प्रतियोगिता में कक्षा-8वीं के छात्र साई बापू सुरवडे ने अपनी शानदार वक्तृत्व शैली के दम पर द्वितीय स्थान हासिल किया। वहीं आशुभाषण स्पर्धा में कक्षा-11वीं की छात्रा विदुषी मिश्रा ने तत्कालिक विषय पर अपनी गहरी समझ और त्वरित सोच का प्रदर्शन करते हुए द्वितीय स्थान पर कब्जा जमाया। इसके साथ ही काव्य पठन प्रतियोगिता में अपनी मधुर आवाज और बेहतरीन प्रस्तुति से कक्षा-4 की नर्ही छात्रा जाहन्वी चौहान ने तृतीय स्थान प्राप्त कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया। विद्यार्थियों की इस गौरवपूर्ण सफलता पर संपूर्ण विद्यालय परिवार में हर्ष का माहौल है। इस ऐतिहासिक उपलब्धि से अत्यंत गौरवान्वित महसूस करते हुए सभी विजेता छात्र-छात्राओं को कौशिक हरिया एजुकेशनल फाउंडेशन के चेयरमैन ए. के. शाह, मैनेजिंग ट्रस्टी बिमल हरिया एवं विद्यालय की प्रधानाचार्या बिनी पॉल सहित समस्त शिक्षक वर्ग और स्टाफ की ओर से बधाई और शुभकामनाएं दी गईं।

नवरात्रि के पावन अवसर पर सरपंच हेमाक्षी पटेल ने हिंगलाज माता मंदिर में आरती का लाभ लिया

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 13 अक्टूबर। आटियावाड विस्तार स्थित हिंगलाज माता मंदिर परिसर में नवरात्रि महोत्सव का आयोजन किया गया है। नवरात्रि के पावन अवसर पर डाभेल ग्राम पंचायत की सरपंच हेमाक्षी कनु पटेल ने डाभेल के आटियावाड स्थित हिंगलाज माता मंदिर में माता रानी की आरती में शामिल होकर आरती का लाभ लिया। इस अवसर पर माता रानी के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र में सुख-समृद्धि, शांति एवं खुशहाली की कामना की। नवरात्रि के दौरान मंदिरों में भक्तिमय वातावरण बना हुआ है तथा श्रद्धालु बड़ी संख्या में माता रानी की आराधना कर रहे हैं।



दमण और दादरा नगर हवेली में निवास करने वाले पूर्व सैनिकों के लिए जारी हुई पंजीकरण संबंधी महत्वपूर्ण सूचना

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 13 अक्टूबर। दमण और दादरा नगर हवेली क्षेत्र में निवास करने वाले थल सेना, नौसेना एवं वायु सेना के सभी भूतपूर्व सैनिकों तथा दिवंगत भूतपूर्व सैनिकों की विधवाओं को सूचित किया जाता है कि भारत सरकार द्वारा भूतपूर्व सैनिकों एवं उनके पात्र आश्रितों को प्रदान किए जाने वाले विभिन्न लाभों एवं सुविधाओं का लाभ प्राप्त करने हेतु जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास कार्यालय सूरत में पंजीकरण कराना आवश्यक है। पंजीकरण हेतु संबंधित भूतपूर्व सैनिकों को संबंधित प्राधिकारी द्वारा जारी अपना भूतपूर्व सैनिक पहचान पत्र जमाकर अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) प्राप्त करना होगा। इसके उपरांत एनओसी तथा अपने सभी संबंधित मूल दस्तावेजों के साथ जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास कार्यालय सूरत में संपर्क कर पंजीकरण की प्रक्रिया पूर्ण करनी होगी। उपर्युक्त संघ राज्य क्षेत्र में निवास करने वाले थल सेना, नौसेना एवं वायु सेना के सभी भूतपूर्व सैनिकों तथा दिवंगत भूतपूर्व सैनिकों की विधवाओं से अनुरोध है कि भारत सरकार द्वारा प्रदान किए जाने वाले विभिन्न लाभों एवं सुविधाओं का लाभ प्राप्त करने में सुविधा सुनिश्चित करने हेतु यथाशीघ्र आवश्यक पंजीकरण प्रक्रिया पूर्ण कराएं। अधिक जानकारी प्राप्त करने एवं कार्यालय में भेंट हेतु समय निर्धारित करने के लिए जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास कार्यालय सूरत के मोबाइल नंबर 9426802820 पर संपर्क करें।

दानह पुलिस ने 50 साइबर जागरूकता कार्यक्रम किए आयोजित: 7,000 लोगों को किया जागरूक

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा 13 अक्टूबर। दादरा नगर हवेली पुलिस ने जिले भर में स्कूलों, शिक्षण संस्थानों, औद्योगिक इकाइयों, पर्यटन स्थलों और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर लगभग 50 साइबर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए। इन कार्यक्रमों के माध्यम से लगभग 7,000 लोगों को जोड़ा गया। इन कार्यक्रमों का मुख्य उद्देश्य साइबर अपराध की रोकथाम और सुरक्षित डिजिटल तरीकों को अपनाना था। साइबर जागरूकता कार्यक्रम के माध्यम से नागरिकों एवं विद्यार्थियों को जरूरी सलाह दी गई। इस दौरान उन्हें बताया गया कि कभी भी किसी के साथ ओटीपी, एटीएम पिन, सीवीवी या पासवर्ड साझा न करें, अनजान स्रोतों से आने वाले संदिग्ध लिंक और एप्लिकेशन से बचें, नकली निवेश योजनाओं, धोखाधड़ी वाले नौकरी के ऑफर, फिशिंग संदेशों और डिजिटल अरेस्ट जैसे धोखाधड़ियों से सावधान रहें। पैसे प्राप्त करने के लिए कभी भी यूपीआई पिन दर्ज न करें। साइबर वित्तीय धोखाधड़ी होने पर तुरंत 1930 पर कॉल करें और www.cybercrime.gov.in पर शिकायत दर्ज करें। जनवरी से सितंबर 2026 के दौरान

■ शिकायतकर्ताओं को वापस की गई 54,10,711 रुपये की राशि ■ साइबर धोखाधड़ी के मामलों में रोकी गई (होल्ड पर रखी गई) 1,16,94,181 रुपये की राशि



दानह पुलिस ने शिकायतकर्ताओं को 54,10,711 रुपये वापस दिलाने में मदद की। इसके अलावा साइबर धोखाधड़ी की शिकायतों के संबंध में 1,16,94,181 रुपये की राशि को होल्ड पर रखा गया। दानह पुलिस नागरिकों से सतर्क रहने, सुरक्षित डिजिटल तरीकों को अपनाने और वित्तीय नुकसान को कम करने के लिए साइबर धोखाधड़ी की तुरंत रिपोर्ट करने का आग्रह करती है।

दमण पुलिस ने लोन धोखाधड़ी का मामला सुलझाया, एक आरोपी गिरफ्तार

■ पुलिस जांच में दमण, सिलवासा और गुजरात में कई पीड़ितों से संदिग्ध संबंध आए सामने

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 13 अक्टूबर। दमण पुलिस ने लोन दिलाने के बहाने की जाने वाली धोखाधड़ी के अंतर्राज्यीय मामले का पर्दाफाश किया है। पुलिस द्वारा जारी प्रेस विज्ञापित में बताया गया है कि इस मामले के मुख्य आरोपी सोमसन सिंह उर्फ शुभम मनोज सिंह (उम्र 26 वर्ष), हाल निवासी लोक पेराडाइज, ए-विंग, प्लेट नंबर 901, राजस्थान भवन के पास, डुंगरा, वापी, गुजरात और मूल निवासी गांव बिदुपुर, पोस्ट बिदुपुर बाजार, पुलिस स्टेशन बिदुपुर, जिला वैशाली, बिहार को महाराष्ट्र के नवी मुंबई से गिरफ्तार कर लिया है और माननीय न्यायालय ने उसे चार दिनों की पुलिस कस्टडी रिमांड मंजूर की है। इस मामले की शुरुआत तब हुई जब 15 सितंबर 2026 को ब्रिजेश मोर्य नामक व्यक्ति ने शिकायत दर्ज कराई कि आरोपी ने उससे 1,50,000 रुपये का लोन दिलाने का झांसा देकर धोखाधड़ी की। आरोपी ने पहले एक निजी लोन ऐप के जरिए 41,269 रुपये का लोन पास कराया और फिर पूरा लोन दिलाने के बहाने उस राशि को अपने खाते में ट्रांसफर करवाकर फरार हो गया। इतना ही नहीं आरोपी ने शिकायतकर्ता के एक दोस्त लवकुश पटेल का पीएफ का पैसा निकलवाने में मदद करने के बहाने उसके बजान फार्डनेस कार्ड का दुरुपयोग किया और 2,18,716 रुपये के दो महंगे मोबाइल फोन खरीद लिए।



इस दोहरी धोखाधड़ी की शिकायत मिलने पर दाभेल पुलिस स्टेशन में भारतीय न्याय संहिता-2023 की धारा 318(4), 319(2) तथा 61(2) के तहत एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू की गई। जांच के दौरान, तकनीकी निगरानी से आरोपी का पता नवी मुंबई, महाराष्ट्र में चला। दमण पुलिस अधीक्षक और एसडीपीओ के निर्देशों पर और दाभेल पुलिस स्टेशन के एसएचओ की देखरेख में एक पुलिस टीम ने आरोपी को पकड़ा और दाभेल पुलिस स्टेशन ले आई। इस टीम में जांच अधिकारी हेड कांस्टेबल जयप्रकाश यादव, दाभेल पुलिस स्टेशन के पुलिस कांस्टेबल रवि गुप्ता और टीएसपी प्रेल, दमण के पुलिस कांस्टेबल केनिल पंड्या शामिल थे। इसके बाद उसे उक्त मामले में गिरफ्तार कर लिया गया और चार दिन की पुलिस कस्टडी रिमांड ली गई। पृष्ठताछ के दौरान आरोपी ने कथित तौर पर दमण, मोराई (गुजरात) और सिलवासा (दादरा और नगर हवेली) में कई लोगों के साथ लोन दिलाने के बहाने इसी तरह की धोखाधड़ी में अपनी सलिपता का खुलासा किया। आरोपी द्वारा बताई गई रकम के आधार पर इस मामले और अन्य संदिग्ध लेन-देन में शामिल कुल कथित रकम लगभग 7,53,797 रुपये है। चल रही जांच के हिस्से के रूप में इन अतिरिक्त लेन-देन के विवरण की पुष्टि की जा रही है। कथित लेन-देन की पुष्टि करने, मनी ट्रेल (पैसे के लेन-देन का रास्ता) का पता लगाने, अन्य पीड़ितों की पहचान करने और संदिग्ध अपराधों में किसी अन्य व्यक्ति की सलिपता का पता लगाने के लिए आगे की जांच जारी है। दमण पुलिस जनता से अपील करती है कि वे उन धोखेबाजों से सावधान रहें जो लोन दिलाने या आर्थिक सहायता देने के बहाने लोगों को धोखा देते हैं। नागरिकों को सलाह दी जाती है कि वे केवल वेरिफाइड और अधिकृत बैंकों या वित्तीय संस्थानों से ही लोन की सुविधाएं लें और अनजान लोगों के साथ अपनी व्यक्तिगत, बैंकिंग या वित्तीय जानकारी (जैसे ओटीपी और कार्ड की जानकारी) साझा न करें। लोगों से आग्रह है कि लोन के लिए आवेदन करते समय सावधानी बरतें और किसी भी संदिग्ध वित्तीय धोखाधड़ी की सूचना तुरंत पुलिस को दें।